@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 10 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 277 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

14वीं जेपीएससी पीटी रद्द

सरकार ने कई मांगें मानीं, सीजीएल एग्जाम कैंसिल नहीं

विधानसभा घेरेंगे छात्र

एजेंसी

रांची । झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली व पेपर लीक को लेकर बीते 16 दिनों से जारी आंदोलन के बीच रविवार को तीसरे दौर की वार्ता के दौरान सरकार ने छात्रों की कई बड़ी मांगें मान ली हैं। बैठक में बनी सहमति के तहत छात्रों के भारी विरोध और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों को देखते हुए 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विवादित वेंडर एजेंसी 'टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा आयोजित की गई सभी पूर्व परीक्षाओं के दौरान वित्तीय लेनदेन के आरोपों की जांच ईडी से कराने पर भी सरकार सहमत हो गई है। हालांकि, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की छात्रों की मांग सरकार ने नहीं मानी है। सरकार ने इस परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों की न्यायिक जांच का निर्णय लिया है। इस बीच छात्रों ने कहा कि इस प्रमुख मांग को नहीं माने जाने के

कारण 10 अगस्त को विधानसभा घेराव किया जाएगा। अनशनकारियों ने अनशन जारी रखने का ऐलान किया है।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि पारदर्शी और धांधली मुक्त परीक्षाएं आयोजित कराने के लिए सरकार व्यापक नीतिगत सुधार लागू करने जा रही है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय सुधार समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान रांची और जेवियर समाज सेवा संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ-साथ छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।वार्ता के बीच ही हाई लेवल कमेटी में शामिल मंत्रियों ने अनशनरत देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की। मंत्रियों ने उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया। मंत्रियों ने आंदोलनकारी छात्रों की मांगों पर सरकार की ओर से की जा रही पहल की जानकारी भी दी। देवेंद्र महतो ने कहा कि वे फिलहाल अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगे।

जेपीएससी के तीनों सदस्यों ने दिया इस्तीफा

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच रविवार को बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया। आयोग के तीन सदस्यों डॉ. अजीता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है। हालांकि, इस्तीफे के कारणों की आधिकारिक जानकारी तत्काल सामने नहीं आई है। जेपीएससी की हालिया प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली को लेकर आयोग पहले से विवादों में है। अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की जा रही है। इसी बीच तीन सदस्यों के एक साथ इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

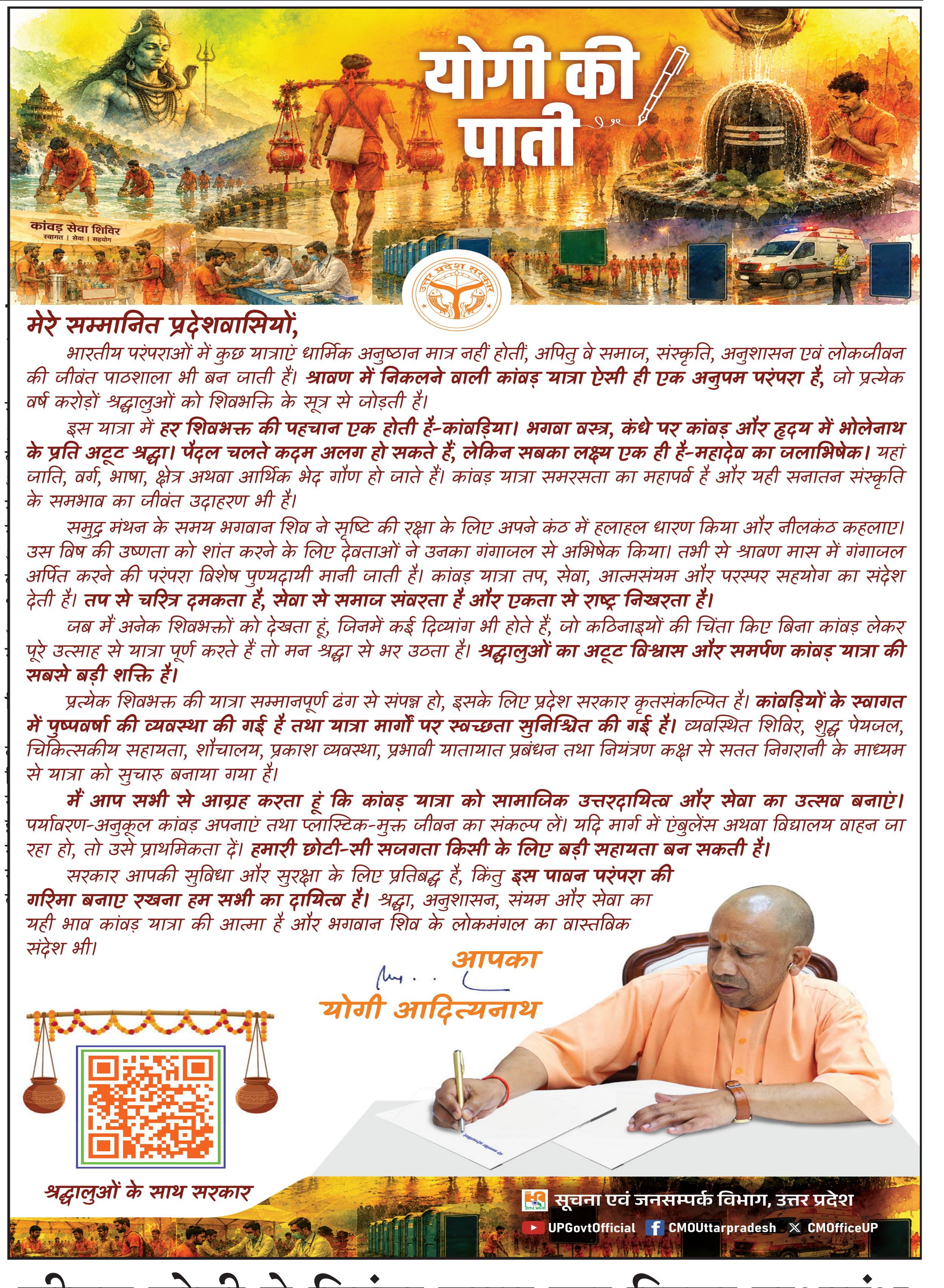

यूपी अब रोजगार देने वाला राज्य बना: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश का युवा 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बन रहा है। आज युवाओं के पास शिक्षा, रोजगार और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर हैं। केंद्र सरकार की पीएम स्टार्टअप योजना, डिजिटल इंडिया, पीएम इंटर्नशिप और मिशन रोजगार जैसी पहल युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध करा रही हैं। पिछले 12 वर्षों में देश में 17 करोड़ से अधिक लोगों को नौकरियां व रोजगार मिला है। युवाओं को बदलती अर्थव्यवस्था और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। देश में करीब 17 हजार स्किल डेवलपमेंट सेंटर और 15 हजार से अधिक आईटीआई संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों के जरिए युवाओं को रोजगार के साथ उद्यमिता के लिए भी तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज व बांसी विधानसभा क्षेत्र में 311 करो? रुपये से अधिक लागत की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह

को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। सीएम ने परिसर में लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में देश में 431 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या अब 818 हो गई है। इसी तरह आईआईटी की संख्या 16 से बढ़कर 23 और आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 22 हो गई है। 2014 से पहले देश में करीब 51 हजार एमबीबीएस सीटें थीं, जो अब बढ़कर करीब 1.28 लाख हो गई हैं। मेडिकल पीजी सीटों की संख्या में भी बड़ी वृद्धि हुई है। इससे युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर के नए रास्ते खुले हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों से करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल कर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। कांग्रेस ने 55-60 वर्षों तक देश में शासन किया, लेकिन गरीबों और महिलाओं के जीवन में ऐसा व्यापक परिवर्तन क्यों नहीं आया? आज देश का युवा अवसर पाने के साथ अवसर पैदा करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत की तस्वीर तेजी से बदली है।

सीएम योगी ने तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम मंत्री और संगठन के पदाधिकारी हाथों में तिरंगा लेकर निकले। इसमें तमाम जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संगठन, समाजसेवी संस्थाओं के साथ ही ब ?ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक भी शामिल हैं। यात्रा शुरू होने से पहले सीएम योगी ने पंकज चौधरी व यात्रा में शामिल लोगों के साथ सेल्फी ली। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि यह मौका बहुत खास है, क्योंकि कुछ ही दिनों में, 15 अगस्त को हम अपने देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आपको अपने घरों पर तिरंगा फहराने का अधिकार दिया है। ताकि, झंडे के प्रति सम्मान और %हर घर तिरंगा% के मंत्र को बढ़ावा मिले। झंडा संहिता में बदलाव किए गए ताकि आप इसे अपने घरों पर लगा सकें। उन्होंने कहा कि पहले, कांग्रेस के शासन में घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ता था। कोर्ट तक जाना पड़ता था। लेकिन, मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह आजादी दी।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 9 अगस्त। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं पावन तिथि है। 09 अगस्त, 1925 को भारत माता के महान सपूतों ने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी थी कि भारत की धरती गुलामी को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। महान क्रान्तिकारियों ने सन् 1857 के प्रथम स्वातंर्त्य समर से भारत छोड़ो आन्दोलन तक आजादी की लड़ाई के लिए कार्यक्रमों की लम्बी श्रृंखला खड़ी की थी। मुख्यमंत्री जी ने क्रान्तिकारियों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृतियों को नमन करते हुए काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े हुए सभी महानायकों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री जी आज यहाँ काकोरी शहीद स्मारक में काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने काकोरी शहीद स्मारक में स्थित शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित

किया। मुख्यमंत्री जी ने वन्दे मातरम् तथा काकोरी के शहीदों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री जी ने काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने शहीद स्मारक प्रांगण में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया तथा फोटो बूथ पर सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान भारतेन्दु नाट्य अकादमी के कलाकारों ने नाट्य प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 09 अगस्त, 1925 को काकोरी में पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ, चन्द्रशेखर आजाद, राजेन्द्र प्रसाद लाहिड़ी जैसे महान क्रान्तिकारियों ने उस खजाने को अपने कब्जे में लेने का कार्य किया, जिस गाड़ी कमाई को अंग्रेजों ने हड़प लिया था। जिन क्रान्तिकारियों ने अपना पूरा जीवन भारत माता के लिए समर्पित कर दिया था, उनमें काशी में जन्में श्री शचीन्द्रनाथ बख्शी तथा श्री मनमोहननाथ गुप्त को आजीवन कारावास की सजा हुई। उनकी जागीर ब्रिटिश शासन ने जब्त कर ली थी। पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ और राजेन्द्र प्रसाद लाहिड़ी, इन सभी महान क्रान्तिकारियों को क्रमश: गोरखपुर, प्रयागराज, फैजाबाद तथा गोण्डा में फांसी दी गई।

शेष पृष्ठ 3 पर

शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर जीतन राम मांझी ने उठाए सवाल

बोले- बिहार में लागू हो गुजरात मॉडल

एजेंसी

पटना । केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नशाबंदी का कानून सही होना चाहिए, लेकिन इसके क्रियान्वयन में गड़बड़ी के कारण कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की अपील की। जीतन राम मांझी ने कहा, 'नशाबंदी का जो कानून है, वह ठीक कानून होना चाहिए। उसके इंप्लीमेंटेशन में गड़बड़ी होने से कहीं-कहीं अनेक प्रकार की बातें सामने आती हैं।' उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी को लेकर सरकार को ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिए, जिससे आम लोगों को परेशानी नहीं हो और कानून का दुरुपयोग भी न हो। मांझी ने गुजरात में लागू शराबबंदी का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में भी उसी मॉडल को लागू किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जहां गांधी जी का जन्म हुआ था, वहां भी शराबबंदी है, लेकिन वहां लोगों में निराशा नहीं है। हम तो पहले से ही कह रहे हैं कि गुजरात मॉडल की शराबबंदी बिहार में लागू हो।' मांझी ने शराबबंदी कानून के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के खिलाफ दर्ज होने वाले मामलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून के क्रियान्वयन में खामियों का फायदा उठाकर कुछ पदाधिकारी पैसे अर्जित करते हैं और गरीब लोगों को फंसाया जाता है।

ममता बनर्जी के काफिले पर पथराव

पूर्व सीएम का आरोप-पुलिस के सामने हुआ सब कुछ

एजेंसी

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है। ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान

हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। यह क्या हो रहा है?

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी सौगात

10 अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

हरिद्वार। श्रावण मास का कांवड़ मेला चरम पर है। धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। देशभर से लाखों शिवभक्त गंगाजल लेने यहां पहुंच रहे हैं। पंत दीप और चमगादड़ टापू पार्किंग खचाखच भरी हैं। सड़कों से लेकर घाटों तक 'हर-हर महादेव' गूंज रहा है। खगोलशास्त्र पंत दीप और चमगादड़ टापू पार्किंग में दूरदराज से आए कांवड़ियों के वाहन लगातार पहुंच रहे हैं। पार्किंग फुल होने के बावजूद वाहन आ रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की टीमें व्यवस्था संभालने में जुटी हैं। पार्किंग से कांवड़ मार्ग तक बैरिकेडिंग की गई है। पुलिसकर्मी लाउडस्पीकर से कांवड़ियों को निर्धारित रूट

से जाने की अपील कर रहे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। हरकी पैड़ी, विष्णु घाट समेत सभी प्रमुख घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ है। गंगा में डुबकी लगाने के बाद भक्त पवित्र जल कांवड़ में भरकर अपने राज्य की ओर रवाना हो रहे हैं। कोई पैदल जा रहा है तो कोई वाहन से। मार्गों पर जगह-जगह भंडारे और सेवा शिविर लगे हैं। 'बम-बम भोले', 'बोल बम' के नारों से पूरा माहौल भक्तिमय है। भीड़ को देखते हुए हरिद्वार पुलिस हाई अलर्ट पर है। एसएसपी हरिद्वार खुद कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे हैं। 200 से ज्यादा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से मेला क्षेत्र, पार्किंग और प्रमुख मार्गों पर नजर रखी जा रही है। कहीं भीड़ बढ़ने या जाम की सूचना मिलते ही तुरंत टीम भेजी जा रही है। ट्रैफिक को डायवर्ट करने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी तैयार रखे गए हैं। रोजाना लाखों नए कांवड़ियों के आने से भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती बना है। प्रमुख चौराहों, घाटों और पार्किंग के पास अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया है।

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी, बोले- जेन जी हमारे बच्चे हैं

– ये भी कहा– 10 साल में 20 करोड़ बच्चे जेन जेड बने

भुवनेश्वर (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए कॉकरोच पार्टी प्रोटेस्ट के बाद शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भुवनेश्वर के जीएम विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने इस्तीफे को लेकर पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। प्रधान ने कहा कि जेन जी हमारे बच्चे हैं और कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। संबलपुर से सांसद प्रधान ने कहा कि देश में हर साल करीब दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं और पिछले 10 वर्षों में करीब 20 करोड़ बच्चे इस पीढ़ी का हिस्सा बने हैं। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की अपनी आकांक्षाएं हैं और यही पीढ़ी भारत को विश्व गुरु बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधान ने स्पष्ट किया कि उनके लिए मंत्री पद महत्वपूर्ण नहीं था।

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं को गुमराह करने की कोशिश हुई थी। 20 जुलाई की घटनाओं और बच्चों व देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। प्रधान इस्तीफे के बाद भी कई बार यह आरोप लगा चुके हैं कि छात्रों को गलत जानकारी देकर भ्रमित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आलोचनाओं के बीच प्रधान को अपने गृह राज्य ओडिशा में भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीजू जनता दल के कार्यकर्ता उनके कई कार्यक्रमों में नारेबाजी और प्रदर्शन कर चुके हैं। रायराखोल में एक कार्यक्रम के दौरान भी प्रधान के खिलाफ नारे लगाए गए। विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने कहा कि वह इन नारों से परेशान नहीं हैं। उन्होंने खुद को किसान का बेटा बताते हुए कहा, 'भले ही आप मुझे वापस जाने के लिए कहें, मैं वापस नहीं जाऊंगा, मैं लौटकर आऊंगा। प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर युवाओं को उनके खिलाफ भड़काने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पटनायक उन्हें ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और बुरा व्यक्ति बताते हैं, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे राज्य के लोगों को शर्मिंदगी उठानी पड़े। प्रधान ने कहा कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे ओडिशा की प्रतिष्ठा धूमिल हो। जिस कार्यक्रम में उन्होंने यह बयान दिया, वहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा के उपनेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे।

रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर शिअद के बदले रुख का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को लेकर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बदले रुख का स्वागत किया है। रिजिजू ने कहा कि सभी पार्टियों को सीटों के निष्पक्ष और समान सीमांकन के जरिये महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक साथ आना चाहिए। रिजिजू की यह प्रतिक्रिया शनिवार को शिअद की इस मांग के बाद आई कि संसद महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को तुरंत पारित करे, ताकि इन्हें बिना किसी देरी के लागू किया जा सके।

शिअद ने परिसीमन के मुद्दे पर अपना बदला हुआ रुख ऐसे समय में जाहिर किया, जब दिल्ली में शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की पीएम मोदी से हुई मुलाकात के बाद सियासी हलकों में बीजेपी के साथ उसकी सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पेश की गई मिसाल का अनुसरण करते हुए शिरोमणि अकाली दल द्वारा लिए गए इस अहम फैसले का तहेदिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने लिखा– हमें सीटों के निष्पक्ष और समान सीमांकन के जरिये महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए, ताकि उन्हें बराबर का प्रतिनिधित्व मिल सके।

एफडीए की बड़ी कार्रवाई : खाने में मिले कॉकरोच, 2.83 करोड़ का माल जब्त

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मुंबई और नवी मुंबई सहित राज्यभर में 4 से 6 अगस्त तक चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत असुरक्षित और अस्वच्छ खाद्य प्रतिष्ठानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पांच फूड आउटलेट्स में खाने में कॉकरोच, मक्खियां और गंभीर गंदगी पाई गई। अभियान के तहत राज्य में कुल 19 एफआईआर दर्ज की गईं और 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एडीए ने 20.29 लाख रुपए का प्रतिबंधित गुटखा व पान मसाला और 2.63 करोड़ रुपए के अन्य खाद्य उत्पाद जब्त किए, जिससे कुल 2.83 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया। राज्यभर में 31 ठिकानों पर छापेमारी करते हुए 38 सुधार नोटिस जारी किए गए और सात फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित किए गए। जांच के दौरान, पंजाब ग्रिल और कुर्ला के साउथ इंडिया डोसा कॉर्नर जैसे प्रतिष्ठानों में असुरक्षित भंडारण, अधूरे रिकॉर्ड और खराब सफाई-व्यवस्था जैसी गंभीर अनियमितताएं मिलीं। दादर के ईट नीनो प्राइवेट लिमिटेड में भी गंदगी और कर्मचारियों में स्वच्छता की कमी पाई गई। अधिकारियों को टूटे रैक, जंग लगे उपकरण, शौचालय के पास खाना रखा होना और पेस्ट-कंट्रोल सर्टिफ़िकेट की अनुपस्थिति जैसे गंभीर उल्लंघन भी सामने आए। इन कार्रवाइयों से खाद्य सुरक्षा मानकों को लागू करने की एफडीए की प्रतिबद्धता उजागर हुई है।

अंधविश्वास की आड़ में हैवानियत, तांत्रिक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अंधविश्वास और झाड़-फूंक के नाम पर एक जघन्य अपराध सामने आया है। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में सवायजपुर थाना क्षेत्र में एक तांत्रिक ने भूत-बाधा दूर करने के बहाने आई नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव को हिरासत में ले लिया है और मामले की गहनता से जांच कर रही है। दरअसल, कासगंज का रहने वाला पीड़ित परिवार गाजियाबाद में रहता है, जहां उनकी नाबालिग बेटी को बार-बार चक्कर आते थे। परिजनों ने इसे भूत-बाधा मान लिया और गाजियाबाद के एक परिचित की सलाह पर बेटी का इलाज कराने हरदोई पहुंचे। आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव, जैतपुर का निवासी, सवायजपुर के घोड़ीधर गांव स्थित एक ईंट-भट्ठे पर चौकीदारी करता था और वहीं झाड़-फूंक का काम भी करता था। बीती 6 अगस्त की शाम पिता अपनी बेटी को लेकर तांत्रिक के पास पहुँचे। आरोप है कि रात करीब 10 बजे तांत्रिक ने विशेष पूजा-पाठ का झांसा देकर पिता को कमरे से बाहर भेज दिया। अकेला पाकर उसने नाबालिग को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर पीड़िता के चिल्लाने पर पिता भीतर पहुंचे। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है और आरोपी रामतीर्थ यादव से पूछताछ जारी है।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक(एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है। जिलाधिकारी ने लोगों से न घबराने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर सतर्क रहने को कहा है। नासिक में इससे पहले 25 से 28 जुलाई और 6 अगस्त को भी भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए थे।

सिरस में हेपेटाइटिस ए का प्रकोप : दूषित पानी पीने से 100 से अधिक बीमार, दो की हालत गंभीर

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के देसूजोधा गांव में हेपेटाइटिस ए का गंभीर प्रकोप सामने आया है। जहां कथित तौर पर दूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण 100 से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, दो युवा लड़कियों, 21 वर्षीय प्रभजोत और 18 वर्षीय प्रीत कौर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें क्रमशः एम्स बठिंडा और दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लुधियाना में भर्ती किया गया है। जसमीत कौर, हरप्रीत कौर, गोपी और मनप्रीत कौर सहित कई अन्य लोग सिरसा, बठिंडा और लुधियाना के विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। गांव के सरपंच चरनजीत सिंह और अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में बिछाई गई पाइपलाइन में रिसाव के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंचा, इससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही थी, बाद में चिकित्सकीय जांच में हेपेटाइटिस ए की पुष्टि हुई। स्वच्छ पेयजल की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया। स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाकर पिछले पांच दिनों में गांव के 540 लोगों के नमूने लिए हैं। इसमें से 216 लोगों में बीमारी के संदिग्ध लक्षण मिले हैं, जबकि 45 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भर्ती मरीजों में दो बच्चे (पांच वर्ष तक), 26 युवा (18 वर्ष तक) और 17 वयस्क (60 वर्ष तक) शामिल हैं, जिनमें 30 पुरुष और 15 महिलाएं हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला प्रशासन की एक टीम ने गांव का दौरा किया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और प्रभावित मरीजों के इलाज का खर्च प्रशासन द्वारा वहन करने का आश्वासन दिया है।

आरक्षण में क्रीमि लेयर की बात करना बाबा साहब के उद्देश्यों के खिलाफ

-मायावती ने संघ प्रमुख भागवत के बयान को संकीर्ण, राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होना हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी भी चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर आरक्षण का समर्थन किया। आरक्षण में क्रीमि लेयर लाए जाने को लेकर उन्होंने कहा है कि यह बाबासाहब अंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है, साथ ही उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण बेहद संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन समुदायों ने लंबे समय तक जाति के आधार पर भेदभाव झेला है। उन्होंने कहा कि आज भी इन वर्गों के साथ शोषण और अन्याय पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मायावती के मुताबिक ऐसे में आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की बात करना बाबासाहेब आंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है। उनका कहना है कि किसी की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए बल्कि सभी को ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहिए।

हाल ही में आरक्षण को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि आरक्षण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण सामाजिक कारणों से है। जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहेगा, जिन लोगों को इसका लाभ मिला है, उन्हें आगे आकर उदारता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण का लाभ लेने वालों को अपनी इच्छा से इसका लाभ छोड़ने पर विचार करना चाहिए। अब मायावती ने संघ प्रमुख के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ऐसी जातिवादी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को बढ़ावा देती है और संविधान के उद्देश्यों के खिलाफ है।

मायावती ने कहा कि देश में जातिवाद अभी भी मौजूद है और यह जमीनी स्तर पर आज भी फैला हुआ है। उनका कहना है कि आरएसएस इससे अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकारों ने भी इस जमीनी सच्चाई को समझा है। अगर मौजूदा सरकार एससी और एसटी वर्ग को क्रीमी लेयर से बाहर रखने के लिए मजबूत दलील के साथ कोर्ट में अपना पक्ष रखती है, तो यह पूरी तरह उचित और संविधान के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि कई बार सरकारों की कमजोर कानूनी पैरवी के कारण अदालतों में सामाजिक बदलाव से जुड़े मामलों में सही फैसला नहीं हो पाता। मायावती ने आरएसएस से आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की वकालत बंद होनी चाहिए और समाज में बराबरी की व्यवस्था स्थापित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र के चार दिन शेष, कांग्रेस अपनी मांगों पर अड़ी

-जयराम बोले- पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री दें बयान और पीएम मोदी राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े आरोपों पर जवाब दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की तय समयावधि के अनुसार इस सत्र के समाप्त होने में अब महज चार कार्यदिवस शेष हैं और विपक्ष ने सरकार पर सदन की कार्यवाही बाधित होने को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर संसद के दोनों सदनों में आकर जवाब देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि गृह मंत्री के सदन में उपस्थित होकर सांसदों के सवालों का सामना नहीं करने के कारण संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले करीब 15 दिनों से संसद की कार्यवाही सामान्य रूप से नहीं चल पाई है और इसके लिए उन्होंने गृह मंत्री शाह के पुलिस कार्रवाई पर बयान देने से इनकार को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री को सदन में अपना पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमित शाह संसद परिसर में अपने कार्यालय में मौजूद रहते हैं और घंटों बैठते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में आकर सांसदों के सवालों का सामना करने से बच रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्री की सदन में लगातार अनुपस्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

जयराम रमेश ने गृह मंत्री के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा मानसून सत्र के दौरान दोनों नेताओं की 'कायरता' सामने आ गई है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार को विपक्ष और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के सवालों का जवाब देने से बचने के बजाय संसद में चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े 'चढ़ावा चोरी' और 'आस्था के साथ धोखे' के आरोपों पर भी संसद में जवाब देने की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में राम मंदिर ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी। ऐसे में ट्रस्ट को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रधानमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा गठित ट्रस्ट पर देशवासियों की आस्था और भरोसे के साथ विश्वासघात करने के आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने गंभीर आरोपों के बीच प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप नहीं रह सकते। मानसून सत्र के अब केवल चार कार्यदिवस बाकी हैं। ऐसे में विपक्ष की मांगों और सरकार के रुख के बीच संसद की शेष कार्यवाही भी हंगामेदार रहने के आसार हैं।

खाद को लेकर किसानों ने लगाए कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे, मुस्कुराते रहे मंत्री राणा

-बोले-आराम से नहीं, नारे जरा जोर से लगाओ, फिर दिया किसानों को आश्वासन

यमुनानगर (एजेंसी)। यमुनानगर के साढ़ौरा में रविवार को उस वक्त माहौल गरमाया गया जब कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सामने ही किसानों ने जमकर नारेबाजी की। मामला खाद वितरण से जुड़ा है। खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने कृषि मंत्री के सामने ही कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। हैरानी की बात ये रही कि किसानों की नारेबाजी पर कृषि मंत्री हंसते हुए नजर आए। मंत्री ने किसानों से कहा कि नारे थोड़े आराम से लगाए हैं, जरा जोर से लगाओ।

हालांकि, इसके बाद कृषि मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके से ही एक उच्च अधिकारी को फोन किया और किसानों की समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। दरअसल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा साढ़ौरा में वन महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान खाद की समस्या को लेकर परेशान किसानों ने कृषि मंत्री का घेराव करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

किसानों का आरोप था कि साढ़ौरा में खाद का वितरण नहीं हो रहा, जिसके चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री के सामने नारेबाजी का ये वीडियो अब चर्चा का

विषय बना हुआ है। मंत्री श्याम सिंह राणा किसानों की नारेबाजी के दौरान हंसते हुए नजर आए। फिलहाल कृषि मंत्री के आश्वासन के बाद किसानों को समस्या के समाधान की उम्मीद है, लेकिन खाद को लेकर किसानों का गुस्सा साफ तौर पर सामने आ गया है।

तिरंगा यात्रा 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा देने वाली है: नड्डा

तिरंगे के सम्मान को हमे हर हाल में बनाये रखना है

जयपुर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को राजधानी जयपुर में अल्बर्ट हॉल से एक भव्य तिरंगा रैली का शुभारंभ को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। समापन पर बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया।

तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुए जेपी नड्डा ने नड्डा ने कहा कि मैं यहां कोई राजनीतिक बात करने नहीं आया हूं, लेकिन एक बेहद जरूरी विषय पर देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में राज्यसभा में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026 (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन अधिनियम) पारित किया गया है। इससे पहले 55 साल पहले द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट लाया गया था, जिसमें हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। उस समय कानून में राष्ट्रगान, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज को तो जोड़ा गया, लेकिन हमारे वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) को छोड़ दिया गया। मैं आज पूछना चाहता हूं कि क्या इसे उस समय की भूल माना जाए, या फिर तुष्टीकरण और

वोट बैंक की राजनीति कहा जाए? कारण जो भी रहा हो, लेकिन आज हम गर्व से कह सकते हैं कि साल 2026 में पारित हुए इस नए संशोधन कानून के बाद अब देश में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज... इनमें से किसी का भी अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। यह तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमारी गहरी भावनाओं से जुड़ी हुई है। यह यात्रा देश के 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा और दृष्टि देने वाली है। उन्होंने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि हम अभी तक गुलामी की निशानियों के साथ आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब हमने इन्हें बदलने का काम किया है। बड़ी मुश्किल से हम देश को आगे लेकर आए हैं, अब इसके सम्मान को हमें हर हाल में बनाए रखना है।

तिरंगा घरो की छत्तों पर नहीं, हमारे दिलो में भी धड़कना चाहिए-सीएम सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा आज देश के जन-जन की यात्रा बन चुकी है। हम सभी जल्द ही देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। जब भी हमारे हाथ में तिरंगा होता है, तो हमारा स्वाभिमान और अधिक बढ़ जाता है। यह हमारे देश का गौरव बढ़ाने का काम करता है। तिरंगा हमारी अनेकता में एकता और विविधता का सबसे बड़ा प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने तिरंगे का राजस्थान से ऐतिहासिक संबंध बताते हुए कहा इस तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से बहुत गहरा नाता है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी पर जो तिरंगा पहली बार फहराया गया था, वह राजस्थान के दौसा (जो पहले जयपुर का ही हिस्सा था) से बनकर गया था। जब हम पांचवीं, सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तब गलियों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकालते थे और हमारे कंठ से एक ही आवाज निकलती थी- विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा आज फिर से निकाली जा रही यह तिरंगा रैली हमारे युवाओं में राष्ट्रभक्ति के उसी भाव को मजबूत कर रही है। तिरंगा केवल हमारे घरों की छतों पर ही नहीं, बल्कि हमारे दिलों में भी धड़कना चाहिए। हमारे मन में राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र सेवा और विकसित भारत के निर्माण के प्रति कर्तव्य की भावना होनी चाहिए, क्योंकि तिरंगा हमें हमारे गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र चेतना की याद दिलाता है।

यूपी में हर विभाग में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार, 2027 में बीजेपी का अंत करेगी जनता

-सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- प्रदेश में चल रही बजट की लूट

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश में बजट की लूट चल रही है और हर विभाग में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार मचा है। उन्होंने बीते शनिवार को एक बयान जारी कर कहा था कि झूठ, लूट और बेईमानी बीजेपी सरकार की पहचान बन चुके हैं। बीजेपी सरकार में एक्सप्रेस-वे समेत अन्य निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और हाल में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे की स्थिति इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार और उसके भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है और प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से बाहर कर भ्रष्टाचारी शासन का अंत करेगी।

जानकारी के मुताबिक अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार में निर्मित अन्य सड़कों का भी यही हाल है। सड़कों के निर्माण में मानकों की अनदेखी और बड़े

पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सबसे महंगा एक्सप्रेस-वे दर्जनों स्थानों पर धंस गया है। सपा अध्यक्ष ने जल जीवन मिशन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह योजना बीजेपी सरकार में लूट का मिशन बन गई है। यादव ने कहा कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई कई पानी की टंकियां या तो टूटकर गिर गईं अथवा पानी भरते ही क्षतिग्रस्त हो गईं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पानी की टंकियां बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार का भार तक नहीं सह पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश की जनता को विकास के नाम पर केवल धोखा दिया है और हर वर्ग सरकार से निराश है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर डीएपी और यूरिया खाद नहीं मिल पा रही है और किसान खाद के लिए भटक रहे हैं। अखिलेश यादव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अस्पतालों में गरीबों को समुचित इलाज नहीं मिल रहा है। मेडिकल कॉलेजों के नाम पर जिलों में केवल इमारतें खड़ी हैं, जबकि वहां पर्याप्त संख्या में चिकित्सक, प्रोफेसर और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार पूरी तरह विफल हो गई है और जनता उसकी वास्तविकता जान चुकी है।

जिनपिंग के दौरे से पहले भारत ने चीन को दिए 3 टास्क, एलएसी पर तनाव कम करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में प्रस्तावित भारत दौरे से पहले नई दिल्ली और बीजिंग के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जिनपिंग के शामिल होने की संभावना के बीच दोनों देशों ने सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखने पर जोर दिया है। यह दौरा हुआ तो करीब सात साल बाद जिनपिंग की भारत यात्रा होगी। इसी क्रम में भारत और चीन के बीच 6 अगस्त को नई दिल्ली में सीमा मामलों पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन यानी डब्ल्यूएमसीसी की 36वीं बैठक हुई। बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति, सीमा प्रबंधन, सीमांकन और सीमा पार सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। भारत ने बातचीत में यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति बनाए रखना दोनों देशों के व्यापक रिश्तों के लिए अहम है। साथ ही गलतफहमी और गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य संवाद तंत्र को लगातार सक्रिय रखने पर सहमति बनी। इसमें सैन्य स्तर पर स्थानीय कमांडर बैठकें और अन्य स्थापित संवाद माध्यम शामिल हैं।

सीमा विवाद के साथ सीमा पार नदियों का मुद्दा भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पहले मई में हुई डब्ल्यूएमसीसी बैठक में भारत ने सीमा पार नदियों से जुड़े विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की अगली बैठक जल्द आयोजित करने पर जोर दिया था। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य स्तर पर नियमित संपर्क जारी रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी। भारत-चीन संबंध 2020 के गलवान संघर्ष के बाद लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे। इसके बाद दोनों पक्षों ने कई चरणों की सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरिए सीमा पर तनाव कम करने की कोशिश की। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी और संवाद की बहाली से संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। अब जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को इसी प्रक्रिया की अगली बड़ी परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत की प्राथमिकता साफ है कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनी रहे और किसी भी गलतफहमी को सैन्य टकराव में बदलने से पहले संवाद के जरिए सुलझाया जाए। चीन इस दिशा में कितना सहयोग करता है, इसका असर दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की गति पर पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद ने कहा था कि 'आजाद हमेशा आजाद रहेगा।' वह अंतिम दम तक वे अंग्रेजों से लड़ते-लड़ते प्रयागराज की धरती पर शहादत को प्राप्त हुए। क्रान्तिकारियों का उद्देश्य गुलामी की बे?ियों को तोड़कर, भारत को स्वतंत्र कराना था। काकोरी में घटित इस घटना को ब्रिटिश शासन ने डकैती कहा था। दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में भी जिन लोगों के हाथों में सत्ता आयी, उन्होंने भी काकोरी डकैती काण्ड के नाम पर इस घटना के क्रान्तिकारियों को अपमानित करने का काम किया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत ऐसे ही गुलाम नहीं हुआ। भारत की गुलामी के कारण हमारी आपसी फूट व षड्यंत्र थे। आज भारत को कमजोर करने वाली ताकतें जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर लगातार फूट डालने का कार्य कर रही हैं। इन राष्ट्र विरोधी ताकतों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिन लोगों ने आपको अपने क्रांतिकारियों व नायकों से दूर रखा, उन्होंने भारत की युवा पीढ़ी के साथ सबसे बड़ा अन्याय किया। नायकों पर गौरव की अनुभूति का अवसर न देना युवा पीढ़ी को आदर्श, गौरव और प्रेरणा से विमुख करने जैसा है। आजादी के बाद जिन लोगों ने सत्ता सम्भाली, उन लोगों ने क्रान्तिकारियों को अपमानित करने का पाप किया। काकोरी के शहीदों के अलावा चन्द्रशेखर आजाद, वीर सावरकर, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना ऊदादेवी पासी, अवन्तीबाई, झलकारीबाई के नाम पर कोई स्मारक न बने, लोग इनका नाम भी न जानने पाएं, इसलिए इन क्रान्तिकारियों के नाम पर संस्थाओं का नाम नहीं रखा गया। आजादी के बाद भी इसके लिए लगातार साजिशें की गईं। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने आजादी के नायकों को सम्मान देने का कार्य किया। बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर से जुड़े पंच तीर्थ, वीर सावरकर, रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ के स्मारकों से जुड़े कार्यों को आगे ब?ाया गया। काकोरी की घटना को काकोरी ट्रेन एक्शन नाम देकर क्रान्तिकारियों को सम्मान दिया। इन क्रान्तिकारियों के नाम पर अब डाक टिकट जारी हो रहे और संस्थाओं के नाम रखे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने जनता का आह्वान किया कि हम सभी क्रान्तिकारियों को खोजें। हमारे गाँव, क्षेत्र, जनपद आदि में अनेक गुमनाम नायक होंगे, जिन्होंने 'तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहें न रहें' के भाव के साथ आजादी के लिए सर्वस्व समर्पित किया। आजादी के बाद सत्तालोलुप लोगों ने अपने वैभव को देखा। क्रान्तिकारियों को भुला दिया गया, उन्हें पाठ्यक्रमों में स्थान नहीं दिया गया। देश, समाज के खिलाफ षड्यंत्र हुआ और फिर से बाँटने की साजिश प्रारम्भ कर दी गई। मुख्यमंत्री जी ने अपील की कि क्रान्तिकारियों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से जुड़ी बिखरी सामग्री को एकत्र करें। उनसे जड़े स्मारकों की मरम्मत-सौन्दर्यीकरण से जुड़ें और पुष्पांजलि देकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्रान्तिकारियों के लिए देश की आजादी की ल?ाई सर्वोपरि थी। उनकी स्मृति को जीवन्त बनाए रखने के लिए काकोरी में शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया गया। एक वर्ष में क्रान्तिकारियों की स्मृतियों में अनेक कार्यक्रम किए गए। काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े परिवारों की वर्तमान पीढ़ी और देश की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के परिजनों को भी सम्मान दिया गया है। मुख्यमंत्री जी ने आह्वान किया कि विकसित व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तब साकार होगी, जब सभी के मन में राष्ट्र सर्वोपरि का भाव होगा। अपनी मातृभूमि, भाषा, स्वदेशी उत्पादों को लेकर लोगों को जागरूक करें। 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस है। इस दौरान हर घर में तिरंगा फहराना चाहिए और प्रत्येक संस्था में वन्दे मातरम् का गान होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों और सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही देश अंग्रेजों की पराधीनता से मुक्त हुआ है। 09 अगस्त सम्पूर्ण क्रान्ति की शुरुआत का दिन है। अनेक बलिदानों की श्रृंखला इसी दिन से प्रारम्भ हुई। उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आजादी के लिए सर्व समाज के लोगों ने बलिदान दिया। काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस के इस भव्य एवं गरिमामय समारोह में उपस्थित सभी लोगों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग का स्मरण करना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाई। प्रत्येक बच्चे और विद्यार्थी को यहां से यह प्रण लेकर जाना चाहिए कि जिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर देश को आजादी दिलाई, उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि काकोरी की यह वही पवित्र भूमि है, जहाँ अमर बलिदानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। काकोरी ट्रेन एक्शन में देश के सपूतों ने भारत को अंग्रेजों की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया। नई पीढ़ी तक राष्ट्रीय गौरव और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का संदेश पहुंचाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रतिवर्ष 09 अगस्त को इस पावन धरती पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मान देने का कार्य किया जाता है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शहीदों के परिजन, छात्र-छात्राएँ सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

मदरसे में छिपाए दस्तावेज.. दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी।

दिन में सिहरन महसूस कराएंगी ठंडी हवाएं, पारा होगा 8 डिग्री तक दर्ज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में सोमवार को आसमान अधिकतर साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 09 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी। इधर, रविवार को सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2 डिग्री कम है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। वहीं, रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 10, पालम में 8.6 और आया नगर में 9.7 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 2 दिसंबर से लेकर 6 दिसंबर तक का मौसम पूर्वानुमान यह है कि 2 दिसंबर को दिन का तापमान 24-26 और रात का तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रहेगा और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 00-05 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी। इस दिन आसमान साफ रहेगा, हालांकि सुबह हल्का कोहरा हो सकता है। 3 दिसंबर को भी आसमान साफ रहेगा, तापमान 23-25 और 09-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्का से मध्यम कोहरा सुबह हो सकता है। 4 दिसंबर को हल्के बादल छाए रहेंगे और तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि सुबह इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 10, पालम में 8.6 और आया नगर में 9.7 हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। 5 दिसंबर को भी ज्यादातर साफ आसमान रहेगा, तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा और सुबह हल्का से मध्यम कोहरा हो सकता है। 6 दिसंबर को भी साफ आसमान और हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, तापमान 23-25 और 08-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस दौरान हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 05-10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR -2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रक्तदान से व्यक्ति को आत्म-संतुष्टि मिलती है: नितिन नवीन

- **दादी प्रकाशमणि की स्मृति में भारत व नेपाल में आयोजित होगा पांच दिवसीय शिविर**
- **ओम शांति रिट्रीट सेंटर में रक्तदान महा अभियान का शुभारंभ**

एजेंसी

गुरुग्राम। रक्तदान केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सेवा भाव को जगाने और विश्व बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने का सबसे पवित्र माध्यम है। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के दादी प्रकाशमणि सभागार में कही। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित रक्तदान महा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्य अतिथि नितिन नवीन ने कहा कि रक्तदान से व्यक्ति को आत्म-संतुष्टि मिलती है। आज इस अभियान से नई पीढ़ी का जुड़ना एक शुभ संकेत है। युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्होंने आह्वान किया कि युवा शक्ति को रक्तदान के साथ-साथ नशामुक्ति के संकल्प से भी जुड़ना होगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान ही जीवन को सही दिशा देता है और कठिन

परिस्थितियों में मन को शांत रखकर बड़े लक्ष्यों को पाने में संस्थान एक प्रेरक स्तंभ की भूमिका निभा रहा है। नितिन नवीन ने कहा कि समारोह के दौरान भारतीय संस्कृति और योग के वैश्विक प्रभाव को रेखांकित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि आज भारत की प्राचीन योग पद्धति सरहदों को लांघकर पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी प्रयासों के कारण ही भारत का योग आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थापित होकर एक विश्वव्यापी जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। अध्यक्षीय संबोधन में ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि रक्तदान के साथ-साथ समाज में नैतिक मूल्यों का दान करना भी उतना ही आवश्यक है।

यह परिवर्तन राजयोग और अध्यात्म के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि योग के निरंतर अभ्यास से केवल आत्मा में ही नहीं, बल्कि मनुष्य की प्रवृत्ति और रक्त के कण-कण में सकारात्मक बदलाव आता है। पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की स्मृति में यह महाअभियान 21 से 25 अगस्त तक पूरे भारत के साथ-साथ नेपाल में भी आयोजित किया जाएगा।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन जरूरी-कल्याण

एजेंसी

करनाल। अग्रकुल सेवा संस्था (रजि.) की ओर से आज बसताड़ा स्थित आरपीआईआईटी संस्थान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। संस्थान परिसर में पौधारोपण के बाद श्री कल्याण ने बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों से भावी पीढियों की सुरक्षा के लिए अधिकाधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। इस मौके पर श्री कल्याण का संस्था की ओर से पुष्प गुच्छ देकर, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरपीआईआईटी के चेयरमैन भरत सिंगला ने की। विधानसभा अध्यक्ष ने संस्थान परिसर में पौधारोपण किया। बाद में बुद्धिजीवियों व समाजसेवियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज को दिशा मिलती है, साथ ही जागृति भी आती है। क्षेत्र, देश व मानवता के लिए ऐसे कार्यक्रमों में सभी को हिस्सा लेना चाहिए।

लोक अदालत में आपसी सहमति से निपटाए जाएंगे मामले- सीजेएम डा. रेनू सोलखे

रेवाड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डा. रेनू सोलखे ने बताया कि रेवाड़ी जिला स्थित न्यायिक परिसर में 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा करवाया जाएगा। डालसा सचिव एवं सीजेएम डा. रेनू सोलखे ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवाना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम डॉ. रेनू सोलखे ने आमजन से अपील की है कि शनिवार, 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाएं। कोर्ट में अपने लंबित मामलों को आपसी सहमति से हल करवा लेने में ही फायदा है, जिससे कि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए।

हरियाणा सरकार की अपील, हड़ताल वापस लें बिजली कर्मचारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने बिजली निगमों के कर्मचारियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का बातचीत के माध्यम से समाधान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कर्मचारियों से हड़ताल का आह्वान वापस लेने और बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने की अपील की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कर्मचारियों की वास्तविक मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा और बातचीत के माध्यम से सभी लंबित मुद्दों का समाधान निकालने के लिए सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए एचवीपीएनएल, यूएचबीवीएन और डीएचबीवीएन के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच करीब पांच घंटे तक विस्तृत एवं रचनात्मक बैठक हुई। बैठक में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन, ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशंस वर्कर्स यूनियन (मुख्यालय, हिसार), एचएसईबी वर्कर्स यूनियन (मुख्यालय, भिवानी) तथा एचपीसी एससी/एसटी एंड बीसी एम्प्लॉइज यूनियन के प्रतिनिधि शामिल रहे।

हरियाणा में स्कूलों में बनेगी स्मार्ट क्लास, एआई आधारित शिक्षा, डिजिटल लाइब्रेरी पर फोकस

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के राजकीय स्कूलों को हाईटैक बनाने का एक्शन प्लान तैयार किया है। स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम से लेकर डिजिटल लाइब्रेरी और एआई आधारित शिक्षा पर फोकस रहेगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा शिक्षा विभाग को 719 उत्कृष्ट विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का लक्ष्य दिया गया। पहले चरण में 150 राजकीय विद्यालयों को चिहिन्त किया गया है, जहां पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए भवन तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एनएसक्यूएफ टीम द्वारा स्कूलों की तस्वीर बदलने को लेकर तैयार किए गए एक्शन प्लान की सराहना की। मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग की ओर से स्टेट प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर को इस एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करने का जिम्मा सौंपा गया। संबंधित अधिकारियों से लैब स्टेटस रिपोर्ट, 50 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की इन्क्यूबेशन रिपोर्ट, इंडस्ट्री लायजनिंग रिपोर्ट तथा उपकरणों की उपलब्धता रिपोर्ट मांगी गई है।

घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनसुनवाई कार्यक्रम

गलियों व खेतों के रास्ते पक्का कराने, स्कूल भवन नया बनवाने जैसी मांगें रखीं

एजेंसी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत करीब तीन घंटे तक क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटान के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बरसत के लोगों से गांव में भाईचारा बनाए रखने और पार्टीबाजी से दूर रहने की अपील की। इस मौके पर गांव चुंडीपुर और मुंडी गढ़ी के लोगों ने गांव के सरकारी स्कूल का भवन नया बनवाने और स्कूल को गांव से बाहर खुले स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की। कोहंड के लोगों ने सैनी चौपाल के पुनर्निर्माण की मांग रखी। इसी प्रकार डबरकी कलां में खेतों के रास्ते, गुढ़ा के लोगों ने कब्रिस्तान और श्मशान घाट की चारदीवारी बनवाने, अनोखा कालोनी वासियों ने गली पक्की कराने व सीवरेज की व्यवस्था की मांग रखी। बरसत के लोगों ने निर्माणधीन सड़क के निर्माण कार्य में तेजी लाने और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने लोगों से पार्टीबाजी से दूर रहने, भाईचारा बनाए रखने और सामूहिक विकास कार्यों में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के

फुरलक के लोगों ने सैनी चौपाल के निमाण की मांग रखी। कुछ लोग निजी समस्याओं को लेकर भी पहुंचे। श्री कल्याण ने हर व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना और उनकी जायज समस्याओं के समाधान के लिए लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं। इलाके के चहुंमुखी विकास के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, नगरपालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

सडक़ निर्माण एवं मरम्मत में ढिलाई पर ब्लैक लिस्ट होंगे ठेकेदार, लगेगा जुर्माना

हमारी सड़क ऐप पर प्राप्त शिकायतों का तुरंत हो समाधान- लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क निर्माण सामग्री की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि यदि विकास कार्यों के लिए समय पर तारकोल(बिटुमेन) की आपूर्ति में बाधा आ रही है, तो काम को रोकने के बजाय सडक़ों का निर्माण सीमेंटेड(सीसी रोड) कराया जाए। विकास की गति किसी भी स्थिति में धीमी नहीं पड़नी चाहिए।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में 10 प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्ष 2025-26 के रोड वर्क्स (सड़क निर्माण कार्यों) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पीडब्ल्यूडी, एचएसएएमबी, पंचायत विभाग, एफएमडीए, जीएमडीए, एसएमडीए, पीएमडीए, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी एवं यूएलबीए के अधिकारियों ने शिरकत की। बैठक के दौरान

मुख्यमंत्री ने 'हमारी सडक़' मोबाइल ऐप के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस ऐप पर आमजन द्वारा दर्ज कराई जाने वाली सडक़ों के गड्ढों एवं क्षति से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द समाधान किया जाए। शिकायतों के निस्तारण या रिपोर्टिंग में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है, तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निर्माण कार्यों में देरी करने वाले ठेकेदारों पर कड़ा रुख अपनाते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो ठेकेदार तय समय पर काम पूरा नहीं करेंगे उन पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करेंगे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

जलभराव पर प्रशासन की पैनी नजर, बारिश के दौरान भी जल निकासी में एक्टिव रहे विभाग : डीसी

डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों के साथ झज्जर शहर के जलभराव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

एजेंसी

झज्जर। मानसून सीजन के मद्देनजर जिला के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सिंचाई, जनस्वास्थ्य और स्थानीय शहरी निकाय विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से जलनिकासी व्यवस्था करने में एक्टिव रहे और बरसात के दौरान भी जलभराव वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संसाधन से जलनिकासी प्रभावी रूप से करते नजर आए। डीसी वर्षा खांगवाल ने बरसात के उपरांत नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी के साथ शहरी निकाय, सिंचाई व जन स्वास्थ्य विभाग के

अधिकारियों सहित झज्जर शहरी क्षेत्र में जल निकासी प्रबंधों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि बरसात के शुरू होने से लेकर समाप्ति तक व उसके बाद जल निकासी प्रबंधों से संबंधित हर परिस्थिति पर जिला प्रशासन की पैनी नजर है और यथा संभव कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर बरसाती पानी की निकासी व्यवस्थित ढंग से हो इसके लिए संबंधित विभागों की टीम फील्ड में एक्टिव रही और जहां कहीं भी निचले स्थानों पर पानी निकासी नहीं हो पा रही थी वहां वैकल्पिक व्यवस्था से पानी निकासी प्रबंध किए गए। डीसी ने शहर के कच्चा बादली रोड, बेरी रोड, छारा चुंगी रोड, पुराना तलाव रोड के साथ साथ शहर के छोटे बाईपास के साथ लगती ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पर्याप्त उपकरणों का प्रयोग करते हुए जलभराव न होने देने के आदेश दिए। साथ ही अन्य संभावित जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए वहां विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि बरसात के बाद जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए।

आईकैट ने बस बॉडी प्रमाणन प्रक्रिया को किया सरल

एजेंसी

मानेसर। सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने तथा बस बॉडी निर्माण उद्योग के लिए अनुपालन मूल्यांकन प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईकैट) ने एआईएस-052, एआईएस-153 एवं एआईएस-119 के अंतर्गत प्रमाणन के लिए एक व्यापक प्रक्रिया सरलीकरण ढांचा प्रस्तुत किया है। यह पहल सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के उस मार्गदर्शन के अनुरूप विकसित की गई है, जिसके अनुसार सुरक्षा, गुणवत्ता अथवा नियमों के मूल उद्देश्य से किसी भी प्रकार का समझौता किए बिना नियामकीय प्रक्रियाओं को अधिक सरल, प्रभावी और दक्ष बनाया जाना चाहिए।

उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श तथा विस्तृत तकनीकी अध्ययन के उपरांत आईकैट ने प्रमाणन प्रक्रिया का पुनर्गठन किया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य इंजीनियरिंग कार्यों की अनावश्यक पुनरावृत्ति समाप्त करना, बेहतर समन्वय स्थापित करना, दस्तावेज़ीकरण को सरल बनाना तथा उद्योग को प्रारंभ से लेकर प्रमाणन तक संपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान करना है। साथ ही, लागू ऑटोमोटिव उद्योग मानकों के अंतर्गत निर्धारित सभी अनिवार्य सुरक्षा सत्यापनों को यथावत बनाए रखा गया है।

मजबूत मंडल और सक्रिय बूथ ही भाजपा संगठन की असली ताकतः डा. अर्चना गुप्ता

हिसार में सात जिलों के मंडल अध्यक्षों व प्रभारियों की बैठक, संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा

एजेंसी

हिसार। भाजपा हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मजबूत मंडल और सक्रिय बूथ ही भाजपा संगठन की असली ताकत हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और जनता से निरंतर संवाद के बल पर ही भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। उन्होंने कहा कि मंडल से लेकर बूथ तक संगठन जितना सक्रिय और मजबूत होगा, पार्टी उतनी ही मजबूती से जनता के बीच अपनी विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को पहुंचा सकेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता भाजपा

जिला कार्यालय हिसार में हिसार, सिरसा, डबवाली, फतेहाबाद, भिवानी, हांसी और चरखी दादरी जिलों के मंडल अध्यक्षों एवं मंडल प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रहीह्व1 थीं। बैठक में सातों जिलों के मंडल अध्यक्षों और मंडल प्रभारियों ने भाग लिया तथा संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से मंथन किया। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। बूथ का कार्यकर्ता जनता और संगठन के बीच सबसे मजबूत कड़ी है। इसलिए मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संपर्क, संवाद और समन्वय बनाए रखें। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को केवल औपचारिक आयोजन न मानकर जनता से जुड़ने और पार्टी की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने सातों जिलों में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली और मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों से सीधा संवाद करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के आगामी कार्यक्रमों को पूरी जिम्मेदारी, अनुशासन और टीम भावना के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। डा. अर्चना गुप्ता ने आगामी तिरंगा यात्रा, मंडल एवं त्रिदेव बैठकों तथा बूथ स्तर की बैठकों को लेकर भी कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए और समाज के प्रत्येक वर्ग तक संगठन की पहुंच को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनाव के समय सक्रिय होने वाला संगठन नहीं है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल में पेशेंट लिफ्ट का किया शिलान्यास

लिफ्ट स्थापना में गुणवत्ता के उच्चतम म ानकों का पालन करें सुनिश्चित - प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज सेक्टर-1, पंचकूला स्थित मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल में पेशेंट लिफ्ट की आधारशिला रखी। इस लिफ्ट की स्थापना पर 73.31 लाख रुपये की लागत आएगी और इसे छह महीने के भीतर पूरा किया जायेगा। राज्यपाल के साथ लेडी गवर्नर श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रही। इस अवसर पर राज्यपाल ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लिफ्ट की स्थापना निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुरूप की जाए तथा कार्य में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन

सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि लिफ्ट की स्थापना में प्रयुक्त प्रत्येक सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो ताकि मरीजों तथा उनके साथ आने वाले परिजनों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इसके पश्चात राज्यपाल ने मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल परिसर का दौरा किया और मरीजों तथा उनके परिजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। दौरे के दौरान प्रो. असीम कुमार घोष ने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य, उपचार तथा अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल के निदेशक को निर्देश दिए कि ओपीडी के बाहर प्रतीक्षा कर रहे मरीजों और उनके परिजनों के लिए पंखों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें प्रतीक्षा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राज्यपाल ने अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर का भी निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध नई मशीनों और उपकरणों की जानकारी ली। उन्होंने निजी वार्ड, प्रतीक्षा कक्ष, प्रतीक्षारत मरीजों के लिए पेयजल की व्यवस्था, मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए उपलब्ध शौचालयों तथा इलेक्ट्रोथेरेपी कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शामलात भूमि के मामलों में आवेदन की अंतिम तिथि अब 16 जनवरी 2027 तक बढ़ा दी गई है

एजेंसी

करनाल। उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा ग्राम पंचायत की शामलात भूमि पर 31 मार्च 2004 या उससे पहले निर्मित 500 वर्ग गज तक के आवासीय मकानों के नियमितीकरण एवं भूमि विक्रय संबंधी आवेदनों की अंतिम तिथि 16 जनवरी 2027 तक बढ़ा दी गई है। समाधान पोर्टल के जरिये आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के विकास एवं पंचायत विभाग ने राज्य के हजारों पात्र नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए दिशा-निर्देश जारी किए है। विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अब सभी पात्र व्यक्ति 'समाधान ' ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकेगें। साथ ही आवेदन प्रक्रिया में ग्राम सचिव द्वारा केस अग्रेषित किए जाने, ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा की कार्यवाही, बी0डी0पी0ओ0 की अनुशंसा तथा उपायुक्त स्तर पर होने वाली कार्रवाई की जानकारी आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त होगी तथा पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे को ध्यान में रखते हुए हरियाणा विलेज कॉमन लैंड्स (रेगुलेशन) अधिनियम, 1961 में संशोधन कर पात्र मामलों में अंतिम स्वीकृति प्रदान करने की शक्ति संबंधित उपायुक्त को सौंप दी है। इस निर्णय से मामलों का त्वरित एवं प्रभावी निपटारा सुनिश्चित होगा तथा पात्र नागरिकों को समय पर राहत मिल सकेगी। अब सभी नए एवं लंबित मामलों का निपटारा केवल 'समाधान' पोर्टल के माध्यम से ही किया जाएगा।

महाराष्ट्र में दूध महंगा, 11 अगस्त से 2 रुपए प्र ति लीटर की बढ़ोतरी

पुणे ।

महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं को अब दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। मंगलवार, 11 अगस्त से गाय और भैंस के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि लागू होगी। यह फैसला बढ़ती उत्पादन लागत के मद्देनजर लिया गया है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की हाल ही में हुई बैठक में प्रमुख सहकारी व निजी डेयरियों ने इस मूल्य वृद्धि पर सहमति जताई। एसोसिएशन के अनुसार कीमतों में वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है, वहीं पैकेजिंग खर्च में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त, दूध की खरीद कीमत भी बढ़ गई है और आने वाले समय में इसमें और वृद्धि की संभावना है। इन बढ़ती लागतों को देखते हुए, दूध की बिक्री कीमत में वृद्धि का फैसला किया गया है। साथ ही डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

गोबरधन योजना से भारत को पांच अरब डॉलर की बचत संभव- आईबीए

नई दिल्ली।

भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) का मानना है कि केंद्र सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को आने वाले वर्षों में करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आईबीए के अनुसार, कृषि अवशेष और जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित यह योजना मात्र सरकारी खर्च नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश है। संघ ने कहा कि भारत अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग 50 फीसदी आयात करता है। यदि करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र पूरी क्षमता से संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात में एक-तिहाई कमी लाई जा सकती है, जिससे सालाना करीब पांच अरब डॉलर की बचत होगी। यह योजना उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को भी कम करेगी। 1,500 सीबीजी संयंत्रों के संचालन से उर्वरक आयात में कम से कम पांच प्रतिशत (एक अरब डॉलर) की कमी आ सकती है। इसके अलावा, गोबरधन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगी।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता- भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली ।

स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रॉयल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है।

आज़ादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रॉयल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी। वर्ष 1952 में, भारत सरकार ने ब्रिटेन की रॉयल एनफील्ड कंपनी को बुलेट 350 की 800 यूनिट्स का पहला ऑर्डर दिया, जो 1953 में भारतीय सेना के बेड़े का हिस्सा बनीं।

बढ़ती मांग और रखरखाव जरूरतों को देखकर 1955 में इंग्लैंड की रॉयल एनफील्ड और भारत की मद्रास मोटर्स ने मिलकर एनफील्ड इंडिया की नींव रखी। चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में संयंत्र स्थापित किया गया और 1962 तक बुलेट का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही होने लगा। आज यह भारतीय कंपनी ही पूरे विश्व में रॉयल एनफील्ड ब्रांड का संचालन कर रही है।

दशकों तक सीमाओं पर धाक जमाने वाली बुलेट के अलावा, आधुनिक सेना के बेड़े में अब कई नई गाड़ियां शामिल हैं। मोटरसाइकिलों में रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 और क्लासिक 500 के साथ-साथ हीरो जी.एस. 150आर, टीवीएस अपाचे और रॉयल एनफील्ड हिमालयन का उपयोग हो रहा है। मारुति जिप्सी की जगह अब मजबूत टाटा सफारी स्टॉर्म (जीएस800), महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और फोर्स गुर्खा जैसी 4×4 एसयूवी ले रही हैं।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। तनाव में कमी से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, जबकि किसी भी वृद्धि से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है।

हुडको का ऋण पोर्टफोलियो 2 लाख करोड़ के पार

अगले वित्त वर्ष में विस्तार हेतु घरेलू-विदेशी बाजारों से जुटाएगी बड़ी पूंजी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के अवसंरचना वित्तपोषण संस्थान हुडको ने चालू वित्त वर्ष में अपने ऋण पोर्टफोलियो के 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में अपने विस्तार के लिए 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की बड़ी योजना पर काम कर रही है, जो उसकी बढ़ती परिसंपत्तियों को वित्तपोषित करेगी। हुडको के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 1.62 लाख करोड़ रुपए रहा ऋण पोर्टफोलियो, मजबूत मांग के चलते इस वित्त वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू और विदेशी बाजारों से कुल 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। इसमें से 20,000 करोड़ रुपए पहली तिमाही में जुटाए जा चुके हैं, जबकि शेष 55,000 करोड़ रुपए अगली तीन तिमाहियों में आएंगे। धन जुटाने के लिए 'कैपिटल गेन' बॉन्ड (1,000 करोड़ रुपए तक) और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जैसे माध्यमों का उपयोग होगा। चालू वित्त वर्ष के लिए हुडको का लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए के कर्ज वितरण का है।

बीते सप्ताह सोना 6,000 से ज्यादा उछला, चांदी 2.3 लाख के पार

कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से सोना-चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में यह हफ्ता सोने और चांदी के लिए रिकॉर्ड तेजी लेकर आया। वैश्विक बाजार में कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के चलते एक ही हफ्ते में सोने का दाम 6,000 रुपए से अधिक और चांदी 13,000 रुपए से ज्यादा चढ़ गई। इस जोरदार उछाल से निवेशकों में खुशी है, वहीं खरीदारों को अब अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना इस हफ्ते 6,761 रुपये महंगा होकर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। गहने बनाने में इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना भी 6,093 रुपए बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी की कीमतों में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम हुई है। इसी के साथ डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं में निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे इनकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

सेंसेक्स की 10 में से चार प्रमुख कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, टीसीएस व एलएंडटी भी फायदे में, जबकि एचडीएफसी बैंक और एलआईसी को नुकसान

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में मिलाजुला रुख रहा। जहां एक ओर चार कंपनियों ने सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं छह अन्य कंपनियों को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को इस दौरान सबसे अधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने निवेशकों का विश्वास जीता और इसका बाजार पूंजीकरण 63,922 करोड़ रुपये बढ़कर 10.11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी मजबूत रही, जिसका बाजार मूल्यांकन 32,816 करोड़ रुपये बढ़कर 18.01 लाख करोड़ रुपये रहा और वह शीर्ष पर कायम रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 31,875 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 14,637 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। हालांकि, इन सकारात्मक रुझानों के बावजूद कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सर्वाधिक 40,543 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे इसका मूल्यांकन घटकर 4.96 लाख करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत

में भी 37,168 करोड़ रुपये की कमी आई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 9,507 करोड़ रुपये घटा।

भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी क्रमशः 7,581 करोड़ रुपये और 4,793 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सप्ताह के अंत में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है।

भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

अल नीनो से भारत स हित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा- एसएंडपी

खाद्य महंगाई, कृषि उत्पादन में कमी और जलविद्युत पर असर की आशंका

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन-पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एनसीएलएटी में 'लॉग 9' की याचिका खारिज

100 ईवी की बरामदगी में सहयोग का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवाला प्रक्रिया में फंसी लॉग 9 मोबिलिटी के दो निलंबित निदेशकों को बड़ा झटका दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज से पट्टे पर लिए गए 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहचान और बरामदगी में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था।एनसीएलएटी ने इन निदेशकों की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने अहमदाबाद स्थित एनसीएलटी पीठ के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। एनसीएलटी ने लॉग 9 मोबिलिटी के दोनों निलंबित निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज के कार्यालय में उपस्थित होकर फरीदाबाद स्थित लॉग 9 मोबिलिटी के परिसर से 100 ईवी की पहचान और बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। निदेशकों ने तर्क दिया था कि जेनसोल के साथ उनका कोई सीधा अनुबंध नहीं है और एनसीएलटी को किसी अन्य कॉरपोरेट देनदार की निलंबित प्रबंधन टीम के अधिकारियों को ऐसे निर्देश देने का अधिकार नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

न्यायाधिकरण ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी के पास व्यापक अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी उल्लेख किया कि निदेशकों का मौजूदा रुख उनके ही पहले के बयान से मेल नहीं खाता। उन्होंने एनसीएलटी के समक्ष पहले ही स्वीकार किया था कि वाहनों के भंडारण, बरामदगी की स्थिति और उनके स्थान समेत विस्तृत जानकारी लॉग 9 के समाधान पेशेवर को उपलब्ध कराई गई थी। लॉग 9 मोबिलिटी का प्रबंधन 15 सितंबर, 2025 को कंपनी के कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजेक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं। हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

विनोद सिंह 'तकियावाला

वर्तमान मानसून सत्र के शेष दिनों को इसलिए टकराव के बजाय संवाद का अवसर बनाया जाना चाहिए। सरकार को अपनी विधायी प्राथमिकताओं पर विपक्ष को विश्वास में लेना चाहिए। विपक्ष को भी अपनी राजनीतिक असहमति को संसदीय बहस में बदलना चाहिए। सदन की गरिमा केवल आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष से नहीं बनती। वह प्रत्येक सांसद के आचरण से बनती है।

सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है।

भारतीय लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं है। संसद वह सर्वोच्च मंच है जहाँ देश की जनता की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ,असहमति और समस्याएँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। दोनों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है। वर्तमान मानसून सत्र की तस्वीर इस लोकतांत्रिक भावना के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन की कार्यवाही में व्यवधान के कारण अपेक्षित गंभीर चर्चा से दूर रह गए हैं। सत्र के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यह सत्र संसदीय इतिहास में विधायी कार्यों के साथ हंगामे और गतिरोध के लिए भी याद किया जा सकता है। संसद में संख्या बल की अपनी वास्तविकता है। सरकार के पास बहुमत है तो उसे कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। विपक्ष के पास संख्या कम है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी आवाज का महत्व कम हो गया। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बनाता है। विपक्ष सरकार को आईना दिखाता है। दोनों की भूमिकाएँ अलग हैं। दोनों की जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसी संसदीय वातावरण में 2029 के आम चुनाव से पहले परिसीमन का प्रश्न देश की राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह केवल लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। इसके साथ देश के संघीय ढाँचे, राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व,जनसंख्या नियंत्रण और महिला आरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं।

इस वर्ष केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटों का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व के पुनर्संयोजन के साथ महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को प्रभावी बनाने की संवैधानिक राह तैयार करना भी था। मगर इस प्रस्ताव को आवश्यक राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत प्राप्त नहीं कर पाया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे जुड़ी परिसीमन संबंधी प्रक्रिया भी उसी समय रुक गई। इसलिए वर्तमान स्थिति में 850 सदस्यीय लोकसभा की कोई अंतिम और लागू व्यवस्था नहीं है। 2029 के चुनाव से पहले यदि इस दिशा में कोई नया संवैधानिक प्रयास होता है तो उसे संसद की निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक सहमति से गुजरना होगा।

यहीं से परिसीमन का वास्तविक प्रश्न शुरू होता है। भारत में जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वाभाविक दिखाई देता है। मगर भारत जैसे विशाल और विविध देश में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर प्रतिनिधित्व तय करना अपने साथ कई दूसरे प्रश्न भी खड़े करता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन राज्यों की चिंता है कि यदि भविष्य में सीटों का पुनर्विन्यास केवल जनसंख्या के आधार पर होता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की अपनी दलील है। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में जनसंख्या का उचित प्रतिबिंब होना चाहिए। यही वह संतुलन है जिसे साधना आसान नहीं है। यदि किसी राज्य ने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना चाहिए। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को उनके वास्तविक जनसंख्या भार के अनुरूप प्रतिनिधित्व से वंचित रखना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्थायी समाधान नहीं हो सकता। समाधान दोनों के बीच संतुलन में ही संभव है। इसीलिए परिसीमन का प्रश्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक मतभेद से कहीं बड़ा है। यह भारतीय संघीय व्यवस्था की संवेदनशील परीक्षा है। तमिलनाडु, केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को उत्तर प्रदेश,बिहार और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता के साथ संतुलित करना होगा। डीएमके, समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्तियों को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उनके पीछे मौजूद संघीय चिंता को समझना होगा। महिला आरक्षण भी इसी विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की क्षमता रखता है। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने पहले ही यह प्रमाणित किया है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए परिसीमन से जुड़ी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। इसलिए सीटों के पुनर्विन्यास और महिला प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। यह काम जल्दबाजी में नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक संवाद के माध्यम से होना चाहिए। इसी मानसून सत्र में विदेशी अंशदान से संबंधित विधायी प्रस्ताव भी चर्चा का विषय है। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 का उद्देश्य विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही और निगरानी को मजबूत करना है। पंजीकरण समाप्त होने या प्रमाणपत्र रद्द होने की स्थिति में विदेशी अंशदान से अर्जित धन और उससे निर्मित संपत्तियों के प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। विदेशी धन का पारदर्शी उपयोग किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए महत्वपूर्ण विषय है। भारत में बड़ी संख्या में सामाजिक,शैक्षणिक, धार्मिक और जनसेवी संस्थाएँ विदेशी अंशदान प्राप्त करती हैं। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि विदेशी धन का दुरुपयोग न हो और राष्ट्रीय हित प्रभावित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वैध और जनहितकारी संस्थाओं के कामकाज में अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएँ उत्पन्न न हों। प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन में विदेशी अंशदान संबंधी उल्लंघनों के लिए कारावास की अधिकतम अवधि को पाँच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव भी शामिल है। आर्थिक दंड की व्यवस्था बनी रहेगी। पंजीकरण निलंबित या रद्द होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं की परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर भी प्रावधान प्रस्तावित हैं। इन प्रावधानों पर संसद में व्यापक चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि कानून कठोर होने के साथ निष्पक्ष और स्पष्ट भी रहे।

परिसीमन और एफसीआरए दोनों विषय अपनी प्रकृति में अलग हैं। एक देश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन से जुड़ा है। दूसरा विदेशी धन के नियमन और संस्थागत जवाबदेही से। दोनों में एक बात समान है। दोनों विषयों पर संसद में गंभीर बहस की आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि लगातार हो रहे व्यवधानों के कारण ऐसी बहस का अवसर सीमित होता जा रहा है। विपक्ष को सरकार से प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है। गंभीर आरोपों पर जवाब माँगना भी उसका दायित्व है। सरकार को विपक्ष की आपत्तियों का उत्तर देना चाहिए। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा के लिए समय देना चाहिए। मगर विरोध और व्यवधान के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है। संसद को रोक देना किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक विजय नहीं हो सकती। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए भेजती है कि वे उसकी आवाज उठाएँ और देश के भविष्य से जुड़े कानूनों पर विचार करें। सदन की कार्यवाही बाधित होने का अर्थ है कि जनता से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा का अवसर समाप्त हो जाना। सत्ता पक्ष को भी संख्या बल का अहंकार लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। बहुमत सरकार को कानून बनाने की शक्ति देता है। बहुमत सरकार को संवाद से मुक्त नहीं करता। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संख्या में कम होने के बावजूद उसकी राजनीतिक शक्ति तर्क,तथ्य और जनहित के मुद्दों से बढ़ सकती है। संसद में मजबूत विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं है। मजबूत विपक्ष वह है जो सरकार से सवाल भी करे और वैकल्पिक दृष्टि भी प्रस्तुत करे। 2029 का आम चुनाव अभी सामने नहीं है। उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अवश्य तैयार होने लगी है। परिसीमन का प्रश्न आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। महिला आरक्षण,जनसंख्या नियंत्रण और राज्यों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन साधना राजनीतिक नेतृत्व की गंभीर परीक्षा होगी। भारत की विविधता को देखते हुए किसी भी संवैधानिक बदलाव को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जा सकता। उत्तर और दक्षिण भारत की अलग-अलग जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ हैं। राज्यों की अपनी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। छोटे राज्यों की अपनी चिंताएँ हैं। महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अपना महत्व है। इन सभी को एक साथ लेकर चलना ही भारतीय संघवाद की वास्तविक भावना है। इसीलिए परिसीमन का समाधान टकराव में नहीं बल्कि सहमति में तलाशना होगा। संसद में दो- तिहाई बहुमत की संवैधानिक आवश्यकता केवल संख्या का गणित नहीं है। इसके पीछे यह भावना है कि संविधान में बड़े बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति के साथ ही किए जाएँ।

संपादकीय

पर्यटन की सीमा रेखा

पर्यटन की सीमा रेखा का उल्लंघन अंततः प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की ट्रांसफर सुनिश्चित कर गया। कथित रेव पार्टियों के आयोजन में प्रशासन की सुस्ती और इस तरह की गतिविधियों को पर्यटन मान लेने की गलती का नतीजा यह कि देश के कानून ने अधिकारियों के रवैये को सही नहीं माना। कुल्लू जिला के एसपी और डीसी को सर्वोच्च अदालत से भी राहत नहीं मिली। नतीजतन ये अफसर हटाने पड़े। यहां यह समझने की जरूरत है कि पर्यटन और पर्यटन में मनोरंजन में क्या सही और क्या गलत है। रेव पार्टियां पहले से ही पर्यटन की कुख्यात सहेलियां हैं, जो अवांछित गतिविधियों और नशे की दुकान की तरह, परिवेश के लिए चुनौती हैं। कुल्लू के कसौल क्षेत्र या पार्वती घाटी के अमन में छेद करता पर्यटन इतना निरंकुश कैसे हो सकता है कि मनोरंजन के नाम पर नशा चल जाए। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ दिया गया बड़ा फैसला माना जाना चाहिए, जहां प्रशासनिक लापरवाही दंडित हुई है। पर्यटन की प्रवृत्ति में अपराध की कई संज्ञाएं शिरकत कर रही हैं। इसके श्याम पक्ष का एक चित्रण अदालत के फैसले में हुआ, तो कई तरह के अपराध पर्यटन के बहाने हिमाचल को बदनाम करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि पर्यटन के साथ अपराध का एक संगठित स्वरूप भी कार्यरत है। अंतरराज्यीय अपराध की कई शाखाएं इस बहाने प्रदेश के माहौल को तार-तार कर रही हैं। दुर्भाग्यवश हमने सस्ता पर्यटन, बिगड़ैल व्यापार और पूरे उद्योग को धंधा मान लिया, जबकि यह अति कोमल, सुसंस्कृत, शिष्टाचारी व सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए। हम मलाणा क्रीम के ब्रांड के नीचे पवित्र कैसे रह सकते हैं। दरअसल हमने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नाम पर इजरायली पर्यटन को विस्तार देते हुए कसोल और धर्मकोट को मिनी इजराइली बना दिया, तो घरेलू पर्यटन को तीर्थ यात्रा का अति साधारण पक्ष मान लिया। तीर्थ यात्राओं का अपना महत्त्व व विशेषता हो सकती है, लेकिन ये तो लंगर सेवा और आवांछित तत्त्वों के आगमन का खुला रास्ता बन गए।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

कांग्रेस की नई टीम में फिर बढ़ा कुनबा!

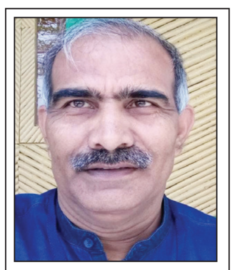

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बार बार प्रचारित यह किया जा रहा था कि इस बार कांग्रेस हाईकमान उत्तराखंड में सीमित पदाधिकारियों को लेकर अपनी टीम का गठन करेगी।कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने भी पूछने पर यही संकेत दिए थे, लेकिन अब जो कार्यकारिणी सामने आई है ,उसने संख्या बल के पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ दिए है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के नेताओं को तो जिम्मेदारी दी गई है,उनकी संख्या इतनी बढ़ा दी कि पद का ही महत्व कम हो गया है।प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में गोदावरी थपलियाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष, 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव और 107 नेताओं को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं के साथ कुछ युवा चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।वही भाजपा ने इसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया बताया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन कर दिया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कार्यकारिणी समिति, घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति के गठन की घोषणा की गई है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हों गई है।

प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ नेताओं गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गुरदीप सिंह सप्पल, काजी निजामुद्दीन, करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, भुवन चंद्र कापड़ी समेत 41 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष विधायक भुवन कापड़ी को बनाया गया है।समिति में डॉ.प्रेम बहुखंडी संयोजक बनाये गए है, जबकि गुरदीप सिंह सप्पल, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल सदस्य बनाए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की कमान विक्रम सिंह नेगी को सौंपी गई है। वहीं एसआईआर समिति के अध्यक्ष मनोज रावत होंगे। चार्जशीट समिति की अध्यक्षता पूर्व पीसीसी चीफ करन माहरा करेंगे, जबकि इस समिति में मनोज रावत, डॉ. प्रेम बहुखंडी और डॉ. प्रतिमा सिंह को सदस्य बनाया गया है।इतने बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति और टिकट बंटवारे व गुटबाजी को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

एसआईआर कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मनोज रावत के साथ ही कमेटी में अमरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट संदीप चमोली को सदस्य बनाया गया है। पीसीसी की नई कार्यकारिणी में जिन 24 नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।उनमें हेमश खर्कवाल, विजय सारस्वत, सूर्यकांत धस्माना, धीरेंद्र प्रताप, राजकुमार, मनोज रावत, सतीश नैनवाल, लालचंद शर्मा, सहरियार खान, सीपी सिंह, संजय पालीवाल, राजेंद्र पाल सिंह, सुखविंदर कौर, राजीव महर्षि, अनुपम शर्मा, हेमंत बगड़वाल, मधु सांगुरी, डॉ. प्रेम बहुखंडी और दर्शन लाल समेत अन्य नेता शामिल है। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी में 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें राजेंद्र भंडारी, नवीन जोशी, अभिषेक सिंह, विजय गुनसोला, तेलू राम, पुष्कर जैन, राकेश लाल शाह, दीप शर्मा, मकबूल कुरैशी, अमरजीत सिंह, याकूब सिद्दीकी, राजेंद्र शाह, जसवंत सिंह चौहान, सुमित्तर भुल्लर, अनीता शर्मा, जयेंद्र रमोला, संजय किरोला और राजेंद्र तंगरिया समेत अन्य नेता शामिल हैं।प्रदेश सचिव पद पर तो 107 नेताओं को विराजमान किया गया है,जिनके प्रदेश कार्यालय में बैठने की व्यवस्था करना भी टेढ़ी खीर होगा।सवाल यह भी है कि पदाधिकारी बने ये नेता क्या वास्तव में दम तोड़ चुकी कांग्रेस में प्राणवायु का संचार कर पाएंगे या फिर गाड़ियों पर पदों की पट्टी लगाकर सिर्फ रोब गालिब करेंगे।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक व वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं।

विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहास:-

विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्त्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है।

जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम:-

भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

जैव-ईंधन और संभावनाएं:-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्त्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है। किसानों के लिए यह केवल फसल पैदा करने तक सीमित आय का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से अतिरिक्त आर्थिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर भी बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में जैव-ईंधन की भूमिका:-

जैव ईंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टिकाऊ तरीके से उत्पादित जैव ईंधन जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जीवन-चक्र के आधार पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। साथ ही कृषि और जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में होने से खुले में कचरा तथा कृषि अवशेष जलाने की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जैव ईंधन को हर परिस्थिति में पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल मानना उचित नहीं होगा। यदि जैव ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों, भूमि और जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो इससे खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग और जैव विविधता से जुड़ी नई चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग, जैव विविधता और जीवन-चक्र उत्सर्जन को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ तरीके से जैव ईंधन का उत्पादन और उपयोग करना आवश्यक है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और अन्य जैविक संसाधनों से ऊर्जा तैयार करना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से कच्चे तेल के आयात में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी जैसे लाभ भी सामने आए हैं। इस प्रकार जैव ईंधन केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्त्रोत नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है।

निष्कर्ष:-

अंत में यह कहना उचित होगा कि जैव ईंधन केवल पेट्रोल और डीजल का विकल्प नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण, कचरा प्रबंधन, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए इसकी संभावनाएँ और भी व्यापक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जैव ईंधन के उत्पादन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा कृषि अवशेषों और जैविक कचरे का अधिक से अधिक उपयोग ऊर्जा उत्पादन में किया जाए। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। इसलिए जैव ईंधन केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

अध्ययन: पक्षियों में 8वां सुर...1.16 लाख आवाजों के डाटा से वैज्ञानिकों ने खोला राज

पेरिस, एजेंसी। कोयल की सुरीली आवाज हर किसी का मन मोह लेती है। दुनियाभर में पक्षियों की ऐसी हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं जिनकी आवाज एकदम संगीतमय होती है। आखिर, इनके गीत कैसे बनते हैं? हाल ही में एक नए अध्ययन में पता चला कि संगीत के सात सुरों की तरह पक्षियों के गाने मूलतः आठ प्रकार की ध्वनियों पर केंद्रित होते हैं। वैज्ञानिकों ने यह शोध दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों की 3,000 से अधिक सॉन्गबर्ड यानी पैसेरिन प्रजाति के पक्षियों पर किया जो, कुल पक्षी प्रजातियों का 60न हिस्सा है। साइंस मैगजीन में प्रकाशित यह दिलचस्प अध्ययन ने पक्षियों की आवाज से जुड़े और राज भी खोलता है। जैसे कैसे समय के साथ इन सुरों में बदलाव आया। अध्ययन बताता है कि बुनियादी ध्वनियां करोड़ों वर्ष पहले शुरुआती पूर्वजों के समय ही विकसित हो गई थीं और 8ज़ पैसेरिन पक्षियों के वंश के विकसित होने के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहीं। शोध मुख्य रूप से फ्रांस के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया, जिसमें सेंट-एटिफ यूनिवर्सिटी और मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शामिल थे। हालांकि, इसके लिए किसी लैब या क्षेत्र में पक्षियों के गाने को रिकॉर्ड नहीं किया गया। बल्कि कम्युनिटी साइंस डाटाबेस का इस्तेमाल कर दुनियाभर के 3,160 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के 1,16,000 से ज्यादा गानों का डिजिटल डाटा जुटाया गया व उसका विश्लेषण किया।

सर्बिया पहुंचे जेलेंस्की, पहली आधिकारिक यात्रा में वुसिक से मुलाकात

सर्बिया, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर सर्बिया पहुंचे। सर्बिया उन चुनिंदा यूरोपीय देशों में शामिल है, जिनके रूस के साथ अब भी दोस्ताना संबंध हैं, जबकि रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। जेलेंस्की ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर सर्बिया पहुंचने की पुष्टि की। इससे पहले सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के कार्यालय ने गुरुवार देर रात उनकी यात्रा की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार और शनिवार को महत्वपूर्ण बातचीत होनी है। उन्होंने बताया कि वह वुसिक और सर्बिया के प्रधानमंत्री ज्यूरो मैकुट से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की के मुताबिक, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को विस्तार देने, यूरोपीय संघ के साथ संबंधों और उन क्षेत्रों पर चर्चा होगी, जहां दोनों देशों के लोगों के हित में व्यावहारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा होंगे। जेलेंस्की की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वुसिक रूस के साथ सर्बिया के पारंपरिक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ अपनी विदेश नीति को करीब लाने के दबाव के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। वुसिक ने यूक्रेन के मुद्दे पर रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने इसके लिए दोनों स्लाव देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों का हवाला दिया है।

अमेरिका में भरे गए महीनों से खाली दर्जनों पद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित दर्जनों सरकारी पदों पर नियुक्तियों को स्वीकृति दे दी। इनमें कई महत्वपूर्ण दूतावास और विदेश विभाग के शीर्ष पद शामिल हैं जो विगत कई महीनों से खाली थे। सीनेट ने 74 नामांकनों की सूची को 51 के मुकाबले 47 मतों से मंजूरी दी। राजदूतों, राजनयिकों की नियुक्तियों को लेकर सीनेट में यह मतदान पार्टी लाइनों के साथ हुआ। दरअसल, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा नियुक्त दर्जनों कॅरिअर राजनयिकों को वापस बुला लिया था। इससे 100 से अधिक राजदूत पद खाली हो गए थे। पश्चिम एशिया से जुड़ी नियुक्ति, ऑस्ट्रेलिया का भी जिक्र जिन देशों में पद खाली थे या जहां नए लोगों को पदभार सौंपे गए हैं, इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और ब्राजील सहित 11 विदेशी राष्ट्रों के राजदूत शामिल हैं। पांच लोगों को राजदूत-रैंक के पदों के लिए नामित किया गया है। छह सहायक विदेश सचिव भी नामित किए गए हैं। इनमें पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), यूरोप और पश्चिमी गोलार्ध के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं। डेविड ब्रैट ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और माइकल कावुकजियन नॉर्वे के राजदूत के रूप में पुष्टि किए गए हैं। फ्लोरिडा के राजनेता डैनियल पेरेज़ को ब्राजील में राजदूत नियुक्त करने में जटिलता है। ब्राजील सरकार ने वाशिंगटन के साथ राजनयिक विवाद के बीच पेरेज़ को औपचारिक मंजूरी रोक दी है। अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइज़ा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है।

यूटा में जंगल की आग बुझाने में लगा हेलीकॉप्टर क्रैश, दो लोग लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पश्चिमी राज्यों के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान दो बड़े हादसे सामने आए हैं। यूटा के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटा एक भारी-भरकम हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो लोग सवार थे। वहीं, ओरेगन में भड़की अनियंत्रित आग को बुझाने के अभियान के दौरान एक बुलडोजर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यूटा में क्रैश हुए हेलीकॉप्टर के मलबे तक तत्काल पहुंचना बेहद मुश्किल होने के कारण उसमें सवार दोनों लोगों की स्थिति के बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है।

ओरेगन में बुलडोजर ऑपरेटर की मौत : ओरेगन में आग बुझाने के अभियान के दौरान, गुरुवार को बुलडोजर चला रहे 47 वर्षीय जेसन एनसाइन की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने बताया कि राइट्स स्प्रिंग की आग बहुत तेजी से फैली, जिससे एनसाइन के बचने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। चिलोक्विन शहर के पूर्व में दक्षिण-मध्य ओरेगन में आग बुधवार को भड़की थी। अमेरिकी वन सेवा के अनुसार, शुक्रवार तक यह आग लगभग 36 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और इस पर बिल्कुल भी काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया कि अत्यधिक

गर्म और शुष्क मौसम के कारण आग ने भयानक रूप ले लिया है।

यूटा में राहत कार्य के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश : दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर उन सात विमानों में से एक था जो मध्य यूटा में 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी आग को बुझाने का काम कर रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि साल्ट लेक सिटी से लगभग 258 किलोमीटर दक्षिण में रिचफील्ड के पास क्रैश हुआ। ग्रेट बेसिन इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम के टायलर हेचट ने बताया कि जब हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, तब उड़ान के लिए स्थिति अनुकूल थी। सिकोरस्की एस-64 नामक यह हेलीकॉप्टर खड़ी ढलान वाले इलाके में काम कर रहा था और इसके क्रैश होने से एक और आग लग गई। हेचट ने कहा कि यह ज्ञात नहीं है कि हेलीकॉप्टर क्रैश होने से पहले कितनी देर तक उड़ रहा था। सिकोरस्की एस-64 स्काईक्रेन हेलीकॉप्टरों का उपयोग व्यावसायिक रूप से और सरकारी एजेंसियों द्वारा आग बुझाने और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इन्हें आग पर पानी या अग्निशामक रसायन गिराने के लिए विशेष टैंकों से सुसज्जित किया जा सकता है। शुक्रवार शाम तक आग की लपटों के कारण बचाव दल दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन अधिकारियों को अगले 24 घंटों में वहां पहुंचने की उम्मीद थी। सेवियर काउंटी के शेरिफ नाथन कर्टिस ने कहा कि हम बचाव दल को बड़े जोखिम में नहीं डालना चाहते थे। जैसे ही संभव होगा, हम उन्हें वहां भेजेंगे। दुर्घटना के बाद आग बुझाने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और स्न इस मामले की जांच करेंगे, लेकिन अगर आसपास आग लगी हो, तो वे भी तुरंत घटनास्थल तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच पाएंगे।

खराब मौसम की चेतावनी : शुक्रवार सुबह दमकल कर्मियों को चेतावनी दी गई थी कि अप्रत्याशित हवाएं, सूखा ईंधन और उच्च तापमान के साथ-साथ बिना बारिश वाले तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। इलाके में रेड फ्लैग चेतावनी लागू कर दी गई थी। यूटा के कानोश समुदाय के पास फिशलेक नेशनल फॉरेस्ट में लगी आग शुक्रवार सुबह तक 427 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और केवल 19 प्रतिशत ही नियंत्रित हो पाई थी। 600 से अधिक अग्निशमन कर्मी इस आग से जूझ रहे हैं। आग के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और लकड़ी, झाड़ियों और घास में लगी इस आग ने कम से कम छह इमारतों को नष्ट कर दिया है। महीनों से जारी शुष्क मौसम, कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की रिकॉर्ड कमी, भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने यूटा और पश्चिम के अन्य हिस्सों में आग को भड़काने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में कोलोराडो में तेजी से फैलती जंगल की आग की चपेट में आने से चार दमकल कर्मियों की मौत हो गई थी और पांचवां घायल हो गया था। दमकल कर्मियों ने तंबू जैसे आपातकालीन शेल्टर लगाकर खुद को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन आग की लपटें उनके ऊपर से गुजर गईं।

पहली बार एआई ने खुद से डिजाइन किया वायरस, बैक्टीरिया खत्म किया; वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस के रिसर्चर्स ने एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बिल्कुल नए वायरल डिजाइन किए हैं, जो लैब में अपनी कॉपी भी बना सकते हैं। यह पहली बार हुआ है जब जेनरेटिव एआई से पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक डिजाइन किया गया है। एआई को वायरस, बैक्टीरिया, पौधों और इंसानों के जेनेटिक कोड पर ट्रेन किया गया। फिर इसे बैक्टीरियोफेज बनाने के लिए रिफाइन किया गया। ये ऐसे वायरस होते हैं जो सिर्फ खास बैक्टीरिया को इन्फेक्ट करते हैं, इंसानों को नहीं। स्टैनफोर्ड टीम ने एआई के 302 सबसे अच्छे डिजाइन चुने और उन्हें लैब में बनाया। इनमें से 16 फेज श्च. कोलाई बैक्टीरिया को मारने में सफल रहे। स्टूडेंट सैमुअल किंग ने बताया, जब पेट्री डिश पर साफ स्पॉट दिखे तो समझ गया कि फेज काम कर रहे हैं। ये बहुत रोमांचक था। रिजल्ट सुनकर लैब में तालियां बजने लगीं। एक्सपर्ट्स इसे साइंस में बहुत बड़ा टर्निंग पाइंट कह रहे हैं। प्रो.ब्रायन ही के मुताबिक, इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट इन्फेक्शन के इलाज के नए तरीके मिल सकते हैं। साथ ही नई दवाएं, थेरेपी और जेनेटिक बीमारियों का इलाज भी संभव हो सकता है।स्पेन के प्रोफेसर मार्क गुएल ने कहा कि इतिहास में पहली बार हम कंप्यूटर पर बायलॉजी डिजाइन कर रहे हैं। इसके साथ बायोसेफ्टी और बायोसिक्योरिटी का खतरा भी बढ़ गया है। जॉन्स हॉपकिन्स के डॉ. थॉमस इंगल्सबी और डॉ. मोरिट्ज हैंके ने लिखा कि अब सवाल ये नहीं है कि एआई वायरस बना सकता है या नहीं, सवाल ये है कि क्या इसका इस्तेमाल गंभीर नुकसान के बिना हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि बीमारी पैदा करने वाले वायरस को डिजाइन करने की कोशिश बिल्कुल नहीं होनी चाहिए रिसर्चर्स ने पहले ही सावधानी बरती।

पीओके में हिंसा: यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा। वह पाक में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए पीटीआई के सवाल का जवाब दे रहे थे। पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। यूएन की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कैलिफोर्निया में कंटेंट क्रिएटर्स पर बढ़ी सख्ती? पैसे लेकर सियासी पोस्ट करने पर लग सकता है जुर्माना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया में गवर्नर पद के लिए प्राथमिक चुनाव के लिए मतदान खत्म होने में कुछ हफ्ते बाकी हैं। इसी बीच, लॉस एंजिलिस के रहने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर शाका स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनके सात लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने बताया कि वह किसे वोट देंगे और क्यों। शाका स्मिथ ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च इतना नहीं होना चाहिए कि आपका दिवाला निकल जाए। घर खरीदना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वालों का खर्च हमें नहीं उठाना चाहिए और कलाकारों की जगह एआई को नहीं लेना चाहिए। इसलिए मैं गवर्नर पद के लिए टॉम स्टेयर का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन स्मिथ ने वीडियो की शुरुआत एक अस्वीकारीकरण (डिस्क्लेमर) से की। उन्होंने कहा,

यह एक विज्ञापन है और सच कहूं तो मेरी इच्छा है कि ज्यादा राजनीतिक कंटेंट में यह बात शुरुआत में ही कही जाए। उनके पोस्ट के कैप्शन में यह भी साफ लिखा था कि उन्हें स्टेयर के चुनाव अभियान ने पैसे दिए थे।

जानकारी न देने पर लग सकता है जुर्माना : कैलिफोर्निया और टेक्सस उन दो राज्यों में शामिल हैं, जहां ऐसे नियम हैं जिनके तहत कंटेंट क्रिएटर्स को बताना जरूरी है कि उन्हें किसी राजनीतिक अभियान ने पोस्ट करने के लिए पैसे दिए हैं। अब कैलिफोर्निया ऐसे मामलों में और सख्ती करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत पैसे मिलने की जानकारी नहीं देने वाले क्रिएटर्स पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चुनावी अभियान लंबे समय से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मशहूर हस्तियों और बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ काम करते रहे हैं। लेकिन अब वे छोटे क्रिएटर्स के साथ भी अपने साथ जोड़ रहे हैं।

मध्यावधि और राष्ट्रपति चुनावों में होगी कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका : इससे इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़े खुलासे के नियम कंटेंट क्रिएटर्स पर भी लागू होने चाहिए या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले मध्यावधि चुनावों और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में इन क्रिएटर्स की बड़ी भूमिका हो सकती है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने कहा, अगर आप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और अभी इन लोगों का समर्थन हासिल करने या अपने लिए ऐसे लोगों को तैयार करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो आपकी ओर से बात कर सकें, तो आप पहले ही पीछे हैं। नेलिस ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए काम किया था। चुनावी अभियान अपना संदेश फैलाने के लिए क्रिएटर्स की मदद ले रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़ी पारदर्शिता को लेकर सवाल ऐसे कई चर्चित मामलों के बाद बढ़े हैं, जिनमें इन्फ्लुएंसर्स ने लोगों की राय या वोट बदलने के उद्देश्य से कंटेंट बनाया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें इसके लिए पैसे दिए गए थे।

बातचीत जारी रहेगी, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेशकियन ने ये बातें शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया। पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी

पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित मतभेद की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी।

होर्मुज के पास दो धमाकों की आवाजें सुनाई दीं : इस बीच, गुरुवार रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और दुश्मन के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज रात करीब 9ः40 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) सुनी गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना की इस कार्रवाई में क्या उपलब्धियां हासिल हुईं, इसकी जानकारी आने वाले घंटों में दी जाएगी। उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन इस्लामी रेजिस्टेंस ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी।

एच-1बी और ग्रीन कार्ड पर बढ़ेगी सख्ती, भारतीय प्रोफेशनल्स की बढ़ेंगी मुश्किलें?

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने अमेरिकी श्रम विभाग से पीईआरएम प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग कर कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी श्रमिकों को मौका देती हैं। प्रस्ताव में अमेरिकी आवेदकों के रिकॉर्ड रखने, रिजेक्शन का कारण दर्ज करने, योग्य बेरोजगार अमेरिकियों को नौकरी की जानकारी देने और उनका इंटरव्यू लेने जैसे कड़े प्रावधान सुझाए गए हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं, इसलिए प्रस्तावित बदलावों का असर भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल यह केवल बदलाव का प्रस्ताव है और इसका वास्तविक असर श्रम विभाग के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा। सीनेटर एरिक शिमट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम का इस्तेमाल किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी दिलाने और उसके लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करने के पहले चरण के तौर पर करते हैं।

क्या कंपनियां सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख रही : एरिक शिमट ने लिखा,पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों के असली मकसद को बहाल करना चाहिए। क्या भारतीयों को लेकर सीधे कोई बदलाव प्रस्तावित है? उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच-1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियमों को दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच-1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने को कहा है।

भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका असर क्यों पड़ सकता है : अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत सभी एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र स्टूडेंट वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के जरिए एच-1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और इसके बाद नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं।

क्या ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया जटिल होगी : विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की जांच सख्त की गई तो नियोक्ताओं पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी जांच कड़ी हो सकती है। पहले से ही जटिल मानी जाने वाली स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। हालांकि, अंतिम असर इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रम विभाग एरिक शिमट के प्रस्तावों को किस हद तक अपनाता है। एरिक शिमट ने कहा कि पीईआरएम के नियम 20 साल से ज्यादा समय से नहीं बदले हैं। गैर-पेशेवर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में आमतौर पर दो अखबारों में विज्ञापन देना और राज्य रोजगार एजेंसी में पंजीकरण कराना जरूरी है। वहीं, पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन देना अनिवार्य नहीं है।

अंधेरे में छिपी सिर्फ एक आवाज... आखिर कहां गायब हैं ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जो 1989 से ईरान का नेतृत्व कर रहे थे। जिसके बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई सालों तक पर्दे के पीछे काम करने के बाद इस्लामिक रिपब्लिक के सबसे शक्तिशाली पद पर आसीन हुए थे। लेकिन उस हमले में खुद भी घायल हुए मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद से अब तक दर्जन से अधिक लिखित संदेश जारी किए हैं, लेकिन अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। पिछले महीने मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी दी कि यदि वह इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रखता है तो उसे कभी न भूलने वाला सबक सिखाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य करार दिया। यह बयान ईरानी सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जब इसके कुछ घंटे पहले ही तेहरान ने एक महीने पहले हुए एक अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित करने की घोषणा की थी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और बुनियादी ढांचों पर लगातार हमले हो रहे थे। मोजतबा ने कहा कि अब जब अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और इसके जरिए उसे और भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी तथा और अधिक अपमान सहना होगा, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि ईरान के महान राष्ट्र और रेजिस्टेंस फ्रंट ने उसके लिए ऐसा सबक तैयार रखा है जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा।

जब से संघर्ष फिर से बढ़ा है, तब से यह बयान खामेनेई का पहला सार्वजनिक संदेश था। इस बीच युद्ध को समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों पर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। उनके लिखित संदेशों और सोशल मीडिया चैनलों पर सक्रियता के बावजूद, इस बात की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है कि 28 फरवरी के हमले के बाद मोजतबा खामेनेई जीवित भी हैं या नहीं। उस हमले में उनकी पत्नी जहरा हद्दाद आदेल और खामेनेई परिवार के

अन्य सदस्य भी मारे गए थे।

हालांकि, कई ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वह हमले में घायल हो गए थे। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि वह शायद ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं या सुरक्षा कारणों से एहतियात बरत रहे हैं और इसलिए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं।

ईरान के राष्ट्रपति का दावा : ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को कथित तौर पर तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के रूप में पेश किया गया। इस गुप्त मुलाकात ने ईरान के नए नेतृत्व के आसपास बनी गोपनीयता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पेजेशकियन को काले और गहरे शीशे वाले वाहन की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई के रूप में पहचाना गया व्यक्ति पहले से बैठा हुआ था। खिड़कियों के शीशे काले रखे गए थे, सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के माध्यम से संवाद कर सकते थे। बाद में पेजेशकियन को इस बात पर संदेह हुआ कि क्या जो आवाज उन्होंने सुनी, वह वास्तव में नए सुप्रीम लीडर की ही थी। यह मुलाकात केवल कुछ ही मिनटों तक चली, हालांकि बाद में पेजेशकियन ने व्यापार संघ के प्रतिनिधियों को बताया था कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल में खामेनेई के साथ ढाई घंटे बिताए। रिपोर्ट के अनुसार, पेजेशकियन ने बार-बार सुप्रीम लीडर से मिलने का अनुरोध किया था और इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी। उनके कार्यालय ने आखिरकार मुलाकात के लिए सहमति दे दी, लेकिन पिछली परंपराओं को तोड़ते हुए उन्हें आधिकारिक आवास पर नहीं बुलाया गया, बल्कि उन्हें एक अज्ञात स्थान पर निर्देशित किया गया।

खामेनेई के स्वास्थ्य पर उठ रहे सवाल : इजरायली मीडिया के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनके स्वास्थ्य की इस कथित स्थिति की कोई स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए चैनल 14 (ष्ट14) और इससे पहले यरूशलेम पोस्ट ने कहा कि ईरानी शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि खामेनेई की हालत बेहद गंभीर है, जिसमें ईरानवायर और पेजेशकियन प्रशासन के करीबी सूत्रों का हवाला दिया गया था। यरूशलेम पोस्ट के एक सूत्र ने कहा कि अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनाई दे।

मुंह की कई बीमारियों को दूर करता है गुड़

सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है।

आयुर्वेद के मुताबिक सुबह उठते ही गर्म पानी पीने के कई फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित होता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है। सुबह उठकर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से शरीर में भी काफी शक्ति आती है।

हालांकि कई सारे लोग इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते होंगे, लेकिन इनका सेवन हर किसी व्यक्ति के लिए फायदेमंद हैं। अगर आप भी इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते हैं तो हम आपको यहां गर्म पानी और गुड़ के सेवन से जुड़े कई लाभ बताने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपके शरीर से न केवल कई सारे रोग दूर होंगे, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी हमेशा दुरुस्त रहेगा।

वजन घटाने में फायदेमंद

अगर आप गुड़ और गर्म पानी पीने के फायदों के बारे में नहीं जानते हैं तो आपको बता दें कि गुड़ में मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन B1, B6 और विटामिन C हमारे शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं, जिसके कारण आपका बढ़ा हुए पेट अंदर हो सकता है और आपको वजन कम करने में भी मदद मिलेगी। ऐसा करने के लिए आप रात को दो टुकड़े गुड़ के खाकर गर्म पानी पी लीजिए।

पेट से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर

अगर आप गैस की समस्या से परेशान रहते हैं तो आप रोज रात को सोने से पहले दो टुकड़े गुड़ खाकर गर्म पानी पी लें। ऐसा करने से गैस, कब्ज जैसी पेट संबंधी परेशानियां दूर होती है। अगर आप लगातार सुबह पेट न साफ होने की शिकायत से परेशान रहते हैं तो आप इस उपाय को जरूर अपना सकते हैं।

अनिद्रा की समस्या भी होती है दूर

अगर आप भी उन लोगों में शुमार हैं, जिन्हें रात को ठीक से नींद नहीं आती या फिर बैचेनी महसूस होती है तो वे लोग गर्म पानी के साथ गुड़ के एक या दो टुकड़े जरूर खाएं। गुड़ में पाए जाने वाले एंटी-डिप्रेसेंट गुण तनाव को दूर करने और नींद दिलाने में मदद करते हैं।

बीमारियों को खत्म करता है गर्म पानी और गुड़

रोज रात को इलायची के साथ गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से मुंह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल आप कैविटी जैसी समस्या से दूर रहते हैं, बल्कि आपके मुंह से बदबू की समस्या भी खत्म हो जाती है। गर्म पानी और गुड़ से आपके मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं।

दूध में गुड़ डालकर पीना है कितना फायदेमंद

अनिद्रा को दूर करे

अगर आपको नींद न आने की समस्या हो तो सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और गुड़ मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपकी अनिद्रा की बीमारी दूर हो जाएगी। गुड़ का सेवन करने से हमारा खून शुद्ध होता है और दूध हमारे शरीर में ऊर्जा बनाएं रखता है। ये हमारे शरीर को रिलैक्स की मुद्रा में लाता है।

पाचन को ठीक करे

पाचन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में दूध और गुड़ बहुत लाभकारी होते हैं। इन दोनों सामग्रियों में मौजूद पोषण पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन ठीक बना रहता है। इसे पीने से हमारी पाचन क्रिया से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इसका सेवन करने से पेट में गैस नहीं बनती।

कैल्शियम से भरपूर

दूध एवं गुड़ दोनों ही कैल्शियम के भरपूर स्रोत माने जाते हैं, इसलिए शरीर को हेल्दी बनाएं रखने के साथ ही हड्डियों की बीमारियों जैसे स्टियोपोरोसिस या उम्र के साथ होने वाले जोड़ों के दर्द आदि से भी सुरक्षित रखता है। इसलिए हर रोज गुड़ की छोटा सा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाएं और गरम दूध पिएं। ऐसा करने से आपके जोड़ मजबूत होंगे और दर्द भी दूर हो जाएगा।

दूर करे पीरियड का दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से बचने के लिए गरम दूध में गुड़ डालकर कर जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर हमेशा गर्भवती महिलाओं को थकावट और कमजोरी को दूर करने से लिए गुड़ का सेवन करने के सलाह देते हैं। अगर गर्भवती महिला हर रोज गुड़ खाती है तो उन्हें एनीमिया नहीं होता।

वजन घटाने मे सहायक

अगर आप मोटापे के शिकार हैं तो इसे बचने के लिए गुड़ को शक्कर की जगह दूध या चाय में डाल कर पीएं। गुड़ और दूध वेट को कम करने में मदद करते हैं। गुड़ में प्रोटीन के रूप में एनर्जी होता है और दूध दूसरी ओर चर्बी को जलाने में मदद करता है।

रेसिपी

चने के कबाब

सामग्री

■ काले चने: 2 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स: 1/2 कप ■ बारीक काटे प्याज: 2 ■ बारीक काटी शिमला मिर्च: 1 ■ उबले आलू: 2 ■ अदरक लहसुन का पेस्ट: 2 टेबलस्पून ■ धनियापत्ती: 2 टेबलस्पून ■ अमचूर पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गरम मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ चाट मसाला: 1/ टीस्पून ■ पानी जरूरत के हिसाब ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कबाब पकाने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले चने को भिगोकर 5-6 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद चने का पानी छान लें। फिर कूकर में चने और 1 कप पानी डालकर 5-6 सीटी लगा लें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद चने का पानी छान लें। एक बर्तन में चने मैश कर लें। अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, अमचूर, धनियापत्ती, अदरक लहसुन का पेस्ट, उबले आलू, शिमला मिर्च, ब्रेड और नमक मिला लें। आलू को भी मैश कर लें। हथेलियों पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण से थोड़ा-सा हिस्सा लेकर पहले लोई बनाएं फिर इसे चिपटा करके कबाब का आकार दें। इसी तरीके से मिश्रण से कबाब बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म तेल में एक बार 4-5 कबाब डालकर करारे होने तक तल लें। तैयार कबाब पर चाट मसाला छिड़क लें, हरी और लाल चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

व्रत वाले आलू बड़े

सामग्री

■ कुट्टू का आटा: 1 कप ■ उबले आलू : 4 ■ जरूरत के हिसाब से तेल ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ: 1/2 टीस्पून ■ बारीक काटी हरी मिर्च: 2 ■ करी पत्ता: 7-8 ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सेंधा नमक: 2 टीस्पून ■ नींबू का रस: 1 टीस्पून ■ शक्कर: स्वाद के अनुसार ■ घी: 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कड़ाही में घी डालकर मीडियम आंच पर मिर्च, सौंफ, जीरा, करी पत्ते डालकर 1-2 मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें आलू मैश करके डाल दें। इसमें काली मिर्च, नींबू का रस और थोड़ी-सी शक्कर डालकर मिक्स कर लें। आलू बड़े का भरावन तैयार है। इसे आंच से उतार कर ठंडा होने दें। भरावन को दूसरे बर्तन में निकाल लें, कड़ाही साफ कर लें। साफ कड़ाही में तेल डालकर धीमी आंच पर रख दें। जब तक तेल गर्म हो रहा है तब तक घोल तैयार कर लें। इसके लिए बर्तन में कुट्टू का आटा और थोड़ा-सा सेंधा नमक मिक्स कर लें। फिर पानी डालकर बढ़िया घोल तैयार कर लें। अब आलू वाले मिश्रण से लोइयां बना लें। एक लोई लेकर इसे घोल में डुबोएं फिर तेल में छोड़ते जाएं। एक बार में 2-3 आलू बड़े ही तेल में डालें। आलू बड़ों को बढ़िया तरीके से तलकर निकाल लीजिए। तैयार व्रत वाले फलाहारी आलू बड़ों को फलाहारी चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 1802

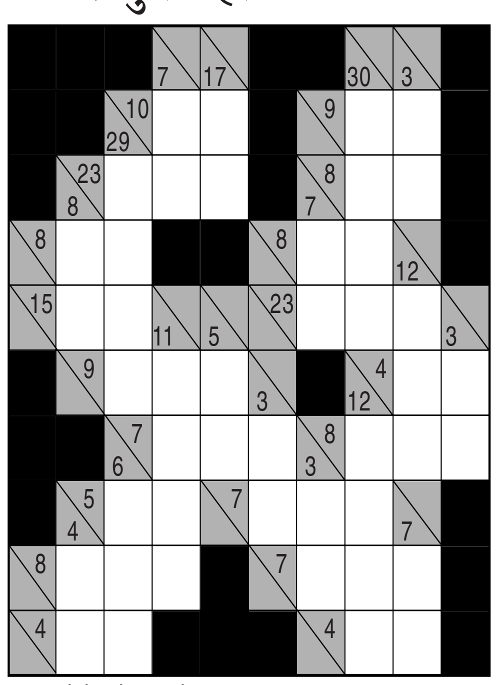

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1801 का हल

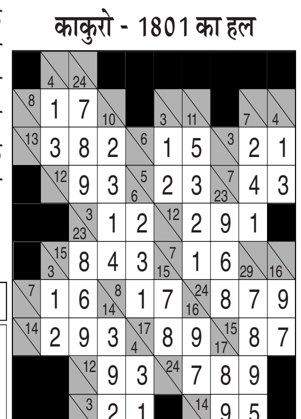

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1802

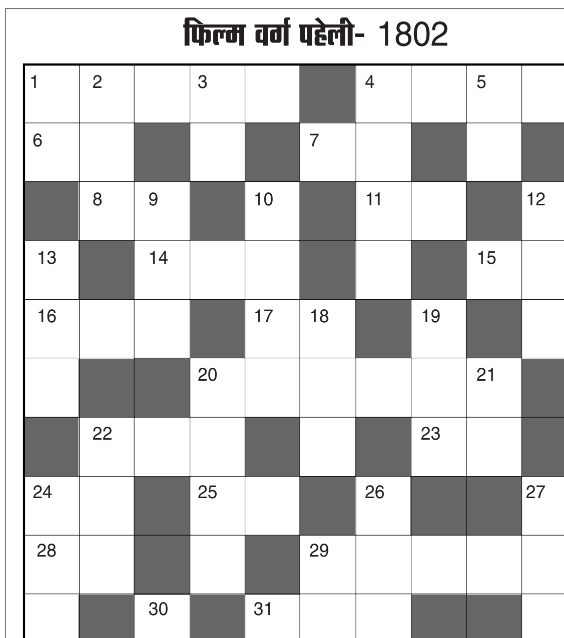

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1801

सूडोकु -1802

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1801 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 1802

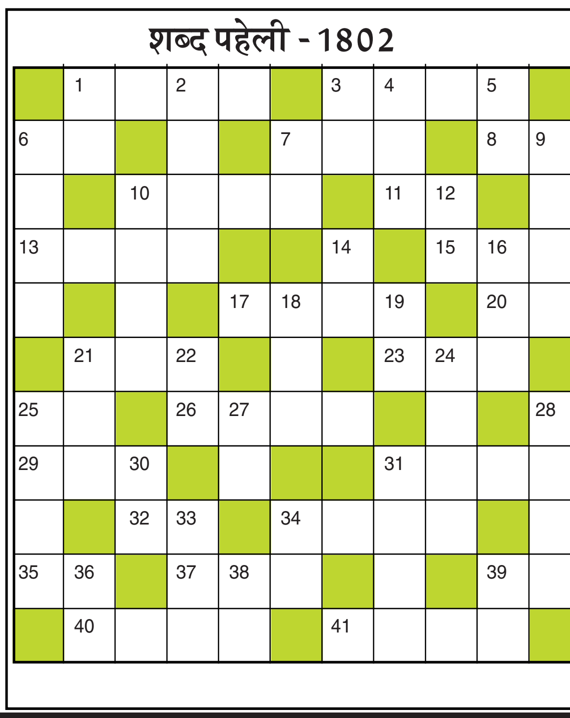

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली - 1801 का हल

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, सेंट्रल नोएडा में मार्गों और शिविरों का किया निरीक्षण

एजेंसी

नोएडा। श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में जिले में कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शैलेन्द्र कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ सेंट्रल नोएडा जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों और कांवड़ शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मार्गों पर की गई बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा साफ-सफाई की स्थिति को देखा। इसके साथ ही कांवड़ यात्रियों के लिए उपलब्ध पेयजल और चिकित्सा सहायता जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्रा मार्गों और शिविरों में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और आवश्यक सुविधाएं हर समय उपलब्ध रहें।

लालू यादव से मिले शत्रुघ्न सिन्हा, बोले- पुरानी दोस्ती है, कुशलक्षेम पूछने आया था

पटना। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से पटना स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद बिहार की राजनीति में इसके कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। लालू यादव से मुलाकात के बाद बाहर निकले शत्रुघ्न सिन्हा और मीडिया से बातचीत में उन्होंने इसे पूरी तरह व्यक्तिगत मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि लालू यादव से उनकी बहुत पुरानी दोस्ती है और वह सिर्फ उनका तथा उनके परिवार का कुशलक्षेम पूछने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा, 'लालू जी से बहुत पुरानी दोस्ती है। वे हमारे दोस्त ही नहीं, बल्कि पारिवारिक दोस्त हैं। वे देश के बहुत बड़े और कद्दावर नेता हैं तथा जनता के नेता हैं। लोग उन्हें गरीबों का मसीहा मानते हैं। '

पंजाब सीएम भगवंत मान ने राज्यपाल को जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने लिए लिखा पत्र

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर जगतार सिंह हवारा को 10 दिन की पैरोल देने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने मानवीय आधार पर यह अनुरोध करते हुए कहा कि हवारा की वृद्ध मां की तबीयत लगातार खराब चल रही है और उनकी देखभाल के लिए पैरोल दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि जगतार सिंह हवारा की मां अधिक आयु होने के कारण उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं और उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जगतार सिंह हवारा ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से पैरोल की मांग की थी। मुख्यमंत्री के अनुसार, हाई कोर्ट ने भी उनकी पैरोल याचिका पर विचार करने के निर्देश दिए हैं। भगवंत मान ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए और उनकी मां की खराब स्वास्थ्य स्थिति के मद्देनजर हवारा को जल्द से जल्द 10 दिनों की पैरोल प्रदान की जाए। आनंदपुर साहिब से आम आदमी पार्टी के सांसद मलविंदर सिंह कंग ने भी सीएम मान के इस पत्र का समर्थन किया है और राज्यपाल से सहमति देने की उम्मीद जताई है।

तामुलपुर में एसटीएफ ने हाथी के दो दांतों के साथ दो तस्करों को पकड़ा

गुवाहाटी। असम के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए तामुलपुर में हाथी के दो दांतों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद हाथी दांतों का कुल वजन करीब चार किलोग्राम है। एसटीएफ ने सूचना के आधार पर बीती रात तामुलपुर के बंगालीपाड़ा में अभियान चलाया। इस दौरान तमुलपुर निवासी ग्वहवाम बसुमतारी (29) और स्वदवाबमा बसुमतारी (23) को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान एसटीएफ की टीम ने हाथी के दो दांत बरामद किए। इनमें एक दांत 2.09 किलो और दूसरे का 1.97 किलो वजन था। पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपी कथित रूप से हाथी दांतों को करीब छह लाख में बेचने की कोशिश कर रहे थे। इसके लिए करीब 1.5 लाख रुपये प्रति किलो की दर पर सौदा तय होने की बात सामने आई है। अभियान के बाद एसटीएफ ने गिरफ्तार आरोपितों, बरामद हाथी दांतों और अन्य जब्त सामान को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियां वन्यजीवों और उनके अंगों की अवैध तस्करी से जुड़े अंतरराज्यीय तथा देशव्यापी नेटवर्क का पता लगाने के साथ ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी हैं।

11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक भोपाल में संपन्न

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन मप्र के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने डेलिगेट्स का किया स्वागत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों एवं वैश्विक प्रतिनिधियों का सम्मेलन संपूर्ण राज्य के लिए अत्यंत गर्व और गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक धरोहर, समृद्ध प्राचीन परंपराओं और ऐतिहासिक गौरव को विश्व पटल पर अत्यंत प्रभावशीलता और गर्व के साथ प्रस्तुत कर रहा है। खगोलशास्त्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों और संस्कृति कार्य समूह की बैठकों के समापन अवसर पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों के गहन मंथन और बहुपक्षीय चर्चाओं के उपरांत सर्वसम्मति से 'भोपाल घोषणा पत्र' को अपनाया गया, जो ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों, विरासत संरक्षण और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय चिंतन के मूल मंत्रों–'वसुधैव कुटुंबकम', 'जीओ और जीने दो' तथा 'सर्वे भवंतु सुखिनः'–का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की यह प्राचीन अवधारणा विश्व

शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि देश का 'हृदय स्थल' मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी और मेजबान बनकर गौरवान्वित हुआ है। मध्य प्रदेश की आध्यात्मिक चेतना, ऐतिहासिक स्थापत्य कला और जनजातीय विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विदेशी मेहमानों को राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति, विशिष्ट व्यंजनों और आत्मीय आतिथ्य का एक अलौकिक अनुभव प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से न केवल ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी प्रगाढ़ हुई है, बल्कि मध्यप्रदेश के पर्यटन, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली है। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल प्रबंधन के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और सभी सहभागी देशों के प्रतिनिधियों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत संस्कृति कार्य समूह की बैठकों का एक सुव्यवस्थित क्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक 29-30 अप्रैल 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई, दूसरी बैठक 4-5 जून 2026 को वाराणसी में और तीसरी बैठक 5-6 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित की गई। इन बैठकों के गहन विचार-विमर्श का समापन 8 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक के साथ हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से 'भोपाल घोषणा पत्र' को पारित किया गया।

कच्छ के रण में 100 से अधिक मानव कंकाल मिलने का दावा, प्राचीन बस्ती के अवशेष भी मिले

शोधकर्ताओं का कहना है कि आगे की वैज्ञानिक जांच से कच्छ के प्राचीन मानव इतिहास, सिंधु नदी के पुराने प्रवाह तथा क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

एजेंसी

भुज। पाकिस्तान सीमा के समीप कच्छ के रण में कच्छ विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के संयुक्त शोध के दौरान 100 से अधिक मानव कंकाल मिलने से पुरातत्व एवं इतिहास के क्षेत्र में उत्सुकता बढ़ गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार, एक ही दिशा में दफनाए गए मानव अवशेषों के साथ मौके से प्राचीन मिट्टी के बर्तन, टेराकोटा की वस्तुएं, दीपक, तांबे के सिक्के, खिलौने और निर्माण अवशेष भी मिले हैं। शोधकर्ताओं ने इस स्थल को फिलहाल 'बरबादपुर' नाम दिया है। प्रारंभिक जांच में मिले मिट्टी के बर्तनों और अन्य सामग्री के आधार पर स्थल के 1,000 से 1,500 वर्ष पुराना होने का अनुमान लगाया जा रहा

है। पुरातत्वविदों का मानना है कि अवशेषों की विविधता से संकेत मिलता है कि यहां कभी विकसित मानव बस्ती रही होगी। कच्छ विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी डॉ. गौरव चौहान के मुताबिक, इस स्थल की जानकारी पहली बार वर्ष 2024 में सीमा सुरक्षा बल के जवानों को गश्त के दौरान मिली थी। इसके बाद विश्वविद्यालय की टीम ने यहां शोध शुरू किया। बाद में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और डेक्कन कॉलेज विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों को भी शोध से जोड़ा गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, आज जहां कच्छ के रण में रहना बेहद कठिन है, वहां प्राचीन काल में नदी के रेतीले पाट और मीठे पानी की उपलब्धता के कारण मानव बस्तियां विकसित रही होंगी। छोटे ऊंचे भूभागों पर लोगों के रहने तथा आसपास खेती किए जाने की संभावना भी जताई गई है। शोध दल इस स्थल का संबंध सिंधु नदी के पुराने प्रवाह और कच्छ के प्राचीन मानव आवास से जोड़कर भी देख रहा है। धोलावीरा के बाद सिंधु नदी के प्रवाह में हुए बदलावों के कारण आबादी के दूसरे क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित होने की संभावना पर भी अध्ययन किया जा रहा है। प्रारंभिक शोध में इस स्थल के सुमरा राजवंश के काल से संभावित संबंध की भी जांच की जा रही है।

पीएम मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से की फोन पर बातचीत

भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बातचीत की जानकारी साझा करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को प्रमुख क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी को बेटे के जन्म पर हार्दिक बधाई दी तथा पूरे परिवार के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। दोनों नेताओं के बीच हुई यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रणनीतिक सहयोग समेत कई क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

मणिपुर में पांच संदिग्ध उग्रवादी कैडर गिरफ्तार

इस दौरान एक हथगोला, इंसास राइफल की खाली मैगजीन, कारतूस के तीन खोखे और चोरी का स्कूटर बरामद किया गया।

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर और असम के कछार जिले में सुरक्षा बलों तथा पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में पांच संदिग्ध उग्रवादी कैडरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक हथगोला, इंसास राइफल की खाली मैगजीन, कारतूस के तीन खोखे और चोरी का स्कूटर बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कछार जिले के गोसाईपुर पार्ट-1 स्थित उसके आवास से यूएनएलएफ (पी) के कैडर अकोइजाम शंकर सिंघा (47) उर्फ चेप्टा उर्फ युमशंगबा को गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह जिरीबाम शहर के विभिन्न स्थानों पर सिलचर-इंफाल मार्ग (एनएच-37) से गुजरने वाले ट्रक चालकों से जबरन वसूली में शामिल था।

एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के वाइखोंग थाना क्षेत्र के काकचिंग खुनौ उमाथेल अवांग लीकाई से सोरेपा के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मयांगलाम्बम निमाइचंद (25) उर्फ पांगनबा मैतेई और मयांगलाम्बम खोइरबा (27) उर्फ अचौबा मैतेई के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के पोरोंपाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकॉन इलाके के आयांग पाली रोड से सोरेपा के एक कथित उगाहीकर्ता को भी गिरफ्तार किया। उसकी पहचान खेरगाओ माखा लीकाई निवासी मोहम्मद मजाहर अली (52) के रूप में हुई है। उसके पास से स्कूटर (एमएन-06एसएक्स-6027) जब्त किया गया।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

बातचीत को बताया खास

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को छोड़कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भाजपा में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री के साथ उनकी यह पहली अहम मुलाकात मानी जा रही है। मुलाकात के बाद चड्ढा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बातचीत को खास और ज्ञानवर्धक बताया। राघव चड्ढा ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य मिला। उनके साथ विस्तृत और ज्ञानवर्धक बातचीत हुई। अपना बहुमूल्य समय देने और उनके विचारों व मार्गदर्शन से लाभ उठाने का अवसर देने के लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूं। '

उल्लेखनीय है कि, राघव चड्ढा की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात ऐसे समय हुई है जब पंजाब में आगामी

2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा में शामिल होने के बाद पंजाब की राजनीति में चड्ढा की भूमिका को लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राघव चड्ढा की यह मुलाकात राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मप्र के इंदौर में बना 69वाँ ग्रीन कॉरिडोर

एक परिवार के संकल्प से तीन लोगों को मिली नई जिंदगी

एजेंसी

इंदौर। अंगदान में देश में सबसे आगे रहने वाला मध्य प्रदेश का इंदौर 12 दिनों के अंतराल के बाद एक बार फिर जीवन बचाने की संवेदनशील यात्रा का साक्षी बना। यहां 69वां ग्रीन कॉरिडोर बना और तीन लोगों को नई जिंदगी मिल गई। तकनीकी कारणों से किडनी और आंखें ही दूसरे मरीजों को प्रत्यारोपित हो पाईं। इंदौर से 70 किलोमीटर दूर शुजालपुर के निवासी कैलाश नारायण पाठक (54 वर्ष) मंडी सचिव के पद पर कार्यरत थे। बीमारी के कारण उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की। इस बीच मुस्कान ग्रुप के सेवादारों ने परिजनों से मुलाकात की। परिजन कैलाश का अंगदान करने के लिए तैयार हो गए और फिर डॉक्टरों ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी। इस कठिन घड़ी में उनकी धर्मपत्नी

मनोरमा, बेटियाँ प्रतिमा एवं पूजा तथा बेटे शुभम का साहस, संवेदनशीलता और समर्पण अत्यंत भावुक कर देने वाला रहा। जब परिवार से अंगदान के लिए निवेदन किया गया, तब उनकी धर्मपत्नी ने कहा कि वे अपने जीवनसाथी के अंगदान के स्वीकृति-पत्र पर हस्ताक्षर करने से पहले स्वयं अंगदान एवं देहदान का संकल्प लेंगी। उन्होंने पहले अपना संकल्प-पत्र भरा और उसके बाद ही अपने जीवनसाथी के अंगदान की सहमति पर हस्ताक्षर किए।

मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट के सेवादार जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने बताया कि धर्मपत्नी के इस साहस और समर्पण को देखकर उपस्थित लोगों की आंखें भी नम हो गईं। इसके बाद शैल्बी अस्पताल से दो ग्रीन कॉरिडोर बने। एक किडनी चोइथराम अस्पताल और दूसरी किडनी एमिनेंट अस्पताल के मरीज को प्रत्यारोपित की गई। इसके अलावा नेत्रदान शंकरा अस्पताल के माध्यम से संपन्न हुआ। पाठक परिवार द्वारा सभी अंगों के दान की सहमति दी गई थी, किंतु तकनीकी कारणों से केवल किडनी एवं नेत्रदान ही संभव हो पाए। बाद में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

इस अंगदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कराने में लगभग 60 घंटे तक लगातार जागकर सेवा, समन्वय और व्यवस्थाओं में जुटे सेवाधारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ऐसे अवसरों पर प्रत्येक क्षण महत्वपूर्ण होता है और प्रत्येक निर्णय किसी दूसरे परिवार की जीवन-आशा से जुड़ा होता है।

राहुल गांधी को महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए : किरेन रिजिजू

'मेरे लिए कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को व्यक्त न कर सकें। '

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महिलाओं की आजादी और भागीदारी पर बयान दिया। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि जब तक महिलाएं खुलकर अपनी बात नहीं रख पाएंगी, तब तक कोई भी देश पूरी तरक्की नहीं कर सकता। राहुल गांधी के इस बयान पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पोस्ट में कहा कि कांग्रेस को अब संसद में महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। दरअसल, राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर में अपनी बात रखी। भी 'आस्क

मी एनीथिंग' सत्र में भी उन्होंने इसी मुद्दे पर बात की थी। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मैं सोच रहा था कि भारत की महिलाओं की ऊर्जा फंसी हुई है, उसे व्यक्त करने की इजाजत नहीं है, कल्पना करने की आजादी नहीं है। मेरे लिए कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को व्यक्त न कर सकें। ' वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं की आवाज दबने से देश की तरक्की पर असर पड़ता है। मेरी राजनीति का एक बड़ा हिस्सा यही है कि लोग समझें कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सिर्फ बिजनेस या राजनीति तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि महिलाएं बिजनेस या राजनीति में अच्छा करें, बल्कि यह भी है कि वे अपने घरों में, परिवार में और सार्वजनिक जगहों पर खुलकर बोल सकें और सड़कों पर आराम से चल सकें। उन्होंने आगे कहा, 'महिलाओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे दूसरों से अलग राय रख सकें, अपने माता-पिता, पति, भाई-बहन से सवाल कर सकें। भारत को सच में विकसित होना है तो पितृसत्ता और पुरुषों के कड़े नियंत्रण से महिलाओं को थोड़ी आजादी मिलनी ही चाहिए। 'राहुल गांधी के इस वीडियो बयान पर किरेन रिजिजू ने कहा कि यह कांग्रेस के नजरिए में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

यह कांग्रेस पार्टी का सकारात्मक संदेश लगता है। राहुल गांधी के दिल में महिलाओं को लेकर बदलाव दिख रहा है। अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करेगी।महिला आरक्षण विधेयक, जिसे संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 या नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी कहा जाता है, एक ऐतिहासिक कानून है। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं।

जन अभाव अभियोग निराकण समिति के सदस्य, जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन अभाव अभियोग निराकरण समिति आमजन की समस्याओं को सुनकर उन्हें प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम करती है। साथ ही, उनके समाधान की प्रक्रिया को गति देने तथा उसकी निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समिति के सदस्य सेवा के भाव के साथ नागरिकों की समस्याओं को हल करने के लिए सक्रियता से काम करें। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण समिति सदस्यों के धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु हैं। वे आमजन के जन अभाव और अभियोग का त्वरित समाधान करते हैं तथा धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता के लिए है, जनता के बीच है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। इसी सोच के साथ प्रदेश में जनसुनवाई की व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है, जिसके माध्यम से महिला, युवा, किसान और गरीब की दिक्कतों को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका निराकरण किया जाता है। इससे राजस्थान में सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 181 राजस्थान संपर्क अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति की शिकायत राज्य सरकार तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। जून माह में करीब 4 लाख 97 हजार नई शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से करीब 4 लाख 90 हजार शिकायतों का निस्तारण किया गया। अब इन शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि घटकर केवल 12 दिन रह गई है। 181 के माध्यम से जन समस्याओं की समग्र निस्तारण दर 99.17 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी संपर्क कॉल सेंटर पर जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं तथा उनका समाधान भी सुनिश्चित करते हैं।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिपः बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है। इसके साथ ही, भारतीयों ने 2021 की अंडर 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है। इवेंट खत्म होने में अभी एक दिन बाकी है और भारत के पास टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड कायम करने का सुनहरा मौका है।इससे पहले, भारत की महिलाओं की 4म400 मीटर रिले टीम - जिसमें भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं ने अपनी हीट में टॉप तीन में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

संक्षिप्त समाचार

कोरिया फुटबॉल संघः विदेशी मैच अधिकारियों को अनुचित फेवर के देने के लगे आरोप

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया फुटबॉल संघ (केएफए) ने 2011 और 2012 में देश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के दौरान विदेशी रेफरी और मैच अधिकारियों को कथित तौर पर अनुचित तरह का मनोरंजन उपलब्ध कराने के आरोपों को लेकर माफी मांगी है। संघ ने कहा कि वह एक दशक से भी पहले की कथित अनियमितताओं को लेकर बेहद शर्मिंदा है और इस मामले से लोगों में पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए खेद व्यक्त करता है। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मीडिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि केएफए ने 2011 और 2012 में विश्व कप और ओलंपिक क्वालिफायर के अलावा कुछ दोस्ताना मुकाबलों से पहले और बाद में विदेशी रेफरी तथा अन्य मैच अधिकारियों के लिए अनुचित मनोरंजन की व्यवस्था की थी। इन आरोपों के सामने आने के बाद केएफए को संसदीय सुनवाई, अपने मुख्यालय पर पुलिस की छापेमारी और मीडिया रिपोर्ट्स का सामना करना पड़ा है। संघ ने कहा कि इन घटनाओं से पैदा हुई निराशा और चिंता के लिए वह 'बेहद शर्मिंदा' है। केएफए ने हालांकि स्पष्ट किया कि मौजूदा समय में ऐसी कोई गलत प्रथा नहीं चल रही है और न ही कॉर्पोरेट कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। संघ ने पारदर्शिता और नैतिक मानकों को मजबूत करने तथा जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए व्यापक सुधार करने का वादा किया है। केएफए पहले से ही राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच होंग म्युंग-बो की नियुक्ति को लेकर विवादों में है। साल 2024 में हुई उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में केएफए के मुख्यालय पर छापा मारा था। पिछले महीने केएफए के पूर्व अध्यक्ष चुंग मोंग-ग्यू और होंग म्युंग-बो से राष्ट्रीय टीम के प्रबंधन और संघ के कामकाज को लेकर संसदीय सुनवाई में सवाल भी पूछे गए थे। दक्षिण कोरिया के 2026 फीफा विश्व कप अभियान के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच चुंग मोंग-ग्यू ने कुछ सप्ताह पहले केएफए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कोच होंग म्युंग-बो को भी पद छोड़ना पड़ा। दक्षिण कोरिया ग्रुप-ए में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। टीम ने चेक गणराज्य को हराया, लेकिन मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। इस्तीफे की घोषणा करते हुए चुंग ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और असफलताओं, दोनों को स्वीकार किया। दक्षिण कोरिया एशिया की शीर्ष फुटबॉल टीमों में से एक है। टीम का सबसे यादगार विश्व कप प्रदर्शन 2002 में आया था, जब दक्षिण कोरिया ने जापान के साथ मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। अपने घरेलू विश्व कप में दक्षिण कोरिया सेमीफाइनल तक पहुंचा था और चौथे स्थान पर रहा था। सेमीफाइनल में उसे जर्मनी के हाथों हार मिली थी। जर्मनी बाद में फाइनल में ब्राजील से हार गया था।

जूनियर एशिया कप के लिए भारत की 18 सदस्यीय हॉकी टीम घोषित, अनमोल एक्का कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय मुख्य टीम चुनी गई है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। डिफेंडर अनमोल एक्का टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम फिलहाल बंगलूरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज की निगरानी में प्रशिक्षण कर रही है। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में बेल्जियम का एक्सपोजर दौरा भी किया था, जहां खिलाड़ियों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले। इस दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच खेलने का अनुभव मिला। साथ ही टीम को अपनी प्रगति का आकलन करने, संयोजन बेहतर करने और टूर्नामेंट से पहले तैयारियों को मजबूत करने का मौका मिला। भारतीय टीम फिलहाल साइ केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 टीम के खिलाफ अभ्यास मैचों के जरिए भी अपनी तैयारियों को धार दे रही है।

अस्मिता चलिहा बनीं कोरिया मास्टर्स चैंपियन

पहला गेम हारने के बाद किया कमाल का कमबैक

असान, एजेंसी। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चलिहा ने शानदार वापसी करते हुए विक्टर कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में अस्मिता ने चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। 53 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और लगातार दो गेम जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब हासिल किया।

फाइनल की शुरुआत अस्मिता के लिए अच्छी नहीं रही। वह पहले गेम में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती नजर आई। हान कियान शी ने इसका फायदा उठाते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम कर लिया।

एक गेम से पिछड़ने के बाद अस्मिता ने अपने खेल की गति और आक्रामकता बढ़ाई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में लगातार आक्रामक शॉट लगाए और चीनी खिलाड़ी को दबाव में रखा। अस्मिता ने दूसरा गेम भी 21-14 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों लगातार अंक हासिल करती रहीं और मुकाबला बेहद करीबी रहा। हालांकि, मध्यांतर के बाद अस्मिता ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्होंने 12-11 की बढ़त बनाने के बाद एक सटीक विनर लगाया। इसके बाद कोर्ट के बाहर जाते हुए बेहद मुश्किल शॉट को भी अस्मिता ने अंदर रखने में सफलता हासिल की और अपनी बढ़त 15-11 कर ली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अस्मिता ने शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर के जरिए स्कोर 19-14 किया। अगले रिटर्न पर हान की शटल बाहर चली गई और भारतीय खिलाड़ी जीत के बेहद करीब पहुंच गईं। आखिरकार अस्मिता ने 21-14 से तीसरा गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कोरिया मास्टर्स की यह जीत अस्मिता चलिहा के करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 स्तर पर उनका पहला खिताब भी है। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह अस्मिता ने मुकाबले में वापसी की, वह उनकी मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। निर्णायक गेम में भी करीबी मुकाबले के बीच उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अहम मौकों पर आक्रामक खेल दिखाकर इतिहास रच दिया।

पहले किया शानदार गोल, फिर उतारी जर्सी...!

डी पॉल ने मेसी को दिया ट्रिब्यूट; भावुक कर देने वाला पल

मियामी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने शनिवार को ऐसा गोल किया, जिसने मुकाबले से ज्यादा अपने खास जश्न के कारण सुर्खियां बटोरीं। डी पॉल ने मॉन्टेरी के खिलाफ शानदार लंबी दूरी का गोल दागने के बाद अपनी जर्सी उतारी। इसके नीचे लियोनल मेसी की मशहूर नंबर-10 वाली जर्सी नजर आई। उनका यह अंदाज मेसी और उनके परिवार के प्रति भावुक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है।

गोल के बाद दिखी मेसी की नंबर-10 जर्सी

मुकाबले के 31वें मिनट में डी पॉल को पेनल्टी एरिया के बाहर गेंद मिली।

उन्होंने बिना ज्यादा समय गंवाए जोरदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। मॉन्टेरी के गोलकीपर लुइस कार्डेनास ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई, लेकिन वह उसे गोल में जाने से नहीं रोक सके।

गोल करने के तुरंत बाद डी पॉल ने अपनी जर्सी उतार दी। उनके नीचे मेसी की नंबर-10 वाली जर्सी थी। डी पॉल का यह सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और इसे मेसी के पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उनके दोस्त को समर्थन देने के संदेश के रूप में देखा गया।

मेसी के बेहद करीबी दोस्तों में हैं डी पॉल

डी पॉल लंबे समय से लियोनल मेसी के बेहद करीबी साथियों में गिने जाते हैं। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम में दोनों की दोस्ती काफी मजबूत रही है और मैदान के बाहर भी डी पॉल ने कई मौकों पर मेसी का साथ दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के दौरान भी मेसी निजी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण भावनात्मक रूप से परेशान नजर आए थे। उस समय डी पॉल उनके साथ खड़े रहे थे। अब क्लब स्तर पर भी उन्होंने अपने दोस्त को यह खास संदेश दिया।लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें अर्जेंटीना के रोसारियो स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जॉर्ज अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों, लियोनल, रोड्रिगो, मातियास और मारिया सोल को छोड़ गए हैं। जॉर्ज मेसी ने लियोनल के करियर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह उनके एजेंट रहे और उनके व्यावसायिक मामलों को संभालते थे। युवा मेसी के साथ वह 2000 के दशक की शुरुआत में बार्सिलोना गए थे, जहां मेसी ने क्लब की मशहूर युवा अकादमी ला मासिया में ट्रायल दिया था।

मेसी के करियर में पिता का बड़ा योगदान

जॉर्ज खुद भी फुटबॉल खेल चुके थे। वह मिडफील्डर के तौर पर न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की युवा टीम तक पहुंचे थे, लेकिन अनिवार्य सैन्य सेवा पूरी करने के लिए उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। बाद में उन्होंने अपने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लियोनल मेसी ने 2005 में सीनियर फुटबॉल में डेब्यू किया और आगे चलकर आठ बैलन डी'ओर पुरस्कार जीते। उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब भी दिलाया। ऐसे में डी पॉल का गोल के बाद मेसी की नंबर-10 जर्सी दिखाना सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि अपने दोस्त और उसके परिवार के प्रति समर्थन का भावुक संदेश भी माना जा रहा है।

लक्ष्मण बोलेः सीरीज के दौरान नहीं हो सकता यो-यो टेस्ट

बंगलूरू । भारतीय क्रिकेट में बढ़ती चोटों के बीच बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्व) पर सवाल उठ रहे हैं। खिलाड़ियों की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया, फिटनेस आकलन और स्पोर्ट्स साइंस टीम और राष्ट्रीय चयन समिति के बीच तालमेल को लेकर आलोचना के बीच सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने संस्थान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य क्रिकेटरों को बेहतर बनाने और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करना भी है।

लक्ष्मण ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट अब लगातार निगरानी पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का पारंपरिक यो-यो टेस्ट कराना संभव नहीं होता। ऐसे में फिटनेस पर नजर बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट को इस्तेमाल में लाया गया है।

लक्ष्मण ने बताया कि ब्रोंको टेस्ट के जरिए सीरीज के दौरान भी खिलाड़ियों की फिटनेस को लगातार मॉनिटर किया जा सकता है। इसे एड्रियन ने तैयार किया है। लक्ष्मण ने कहा, 'जब कोई खिलाड़ी सीरीज का हिस्सा होता है, तब यो-यो टेस्ट नहीं किया जा सकता। इसलिए हमने एड्रियन द्वारा तैयार किया गया ब्रोंको टेस्ट पेश किया है, ताकि फिटनेस की लगातार निगरानी की जा सके।' इस व्यवस्था का मकसद खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना उनकी फिटनेस की स्थिति पर नजर रखना है। इससे टीम मैनेजमेंट को यह समझने में मदद मिलती है कि खिलाड़ी मैच खेलने के लिए किस स्तर तक तैयार है।

लक्ष्मण ने बताया कि जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। दोनों खिलाड़ियों की फिटनेस को अलग-अलग मानकों पर जांचा गया और खेलने की मंजूरी देने से पहले उनकी स्थिति का कई स्तरों पर आकलन किया गया।

उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह और बी. साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर विशेष रूप से परखा गया। खेलने की मंजूरी देने से पहले हम उन्हें एक पैरामीटर से दूसरे पैरामीटर तक ले जाते हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच संवाद काफी सहज है।' लक्ष्मण ने यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और भारतीय टीम के मैनेजमेंट के बीच लगातार संवाद बना हुआ है।

श्रीलंका ने 200 रन बनाकर घोषित अपनी पारी, यशस्वी ने की तेज बैटिंग

कोलंबो। भारत और श्रीलंका इलेवन के बीच कोलंबो के नॉन्डस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में तीन दिवसीय वार्म अप मैच खेला जा रहा है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी। टीम इंडिया के सामने 207 रन का लक्ष्य है। हालांकि, इससे भी बड़ी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे।

वह यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी निभाई। यशस्वी 46 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। वहीं, गिल अर्धशतक से चूक गए। वह 54 गेंद में सात चौके की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल क्रीज पर हैं। भारत ने एक विकेट पर 135+ रन बना लिए हैं।

शुभमन की अंगुली में लगी थी चोट

शुभमन को वार्म अप मैच से पहले अंगुली में चोट लगी थी और वह शुरुआती दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। इस वार्म अप मैच में एक दिन श्रीलंका को बल्लेबाजी करनी थी और एक दिन भारत को। तीसरे दिन दोनों टीमों को 45-45 ओवर बल्लेबाजी करनी थी।

फैंस ने ली राहत की सांस

श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 363 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 357 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। तीसरे दिन श्रीलंका इलेवन ने 45 ओवर में छह विकेट पर 200 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर छह रन की लीड के साथ उनकी कुल बढ़त 206 रन की हुई और भारत को 207 रन का लक्ष्य मिला। गिल के खेलने पर संशय था, लेकिन अब जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं तो टीम मैनेजमेंट के साथ-साथ फैंस ने राहत की सांस ली होगी। गिल की गैरमौजूदगी में दो दिन केएल राहुल ने कमाल संभाली थी।

श्रीलंका इलेवन की दूसरी पारी

श्रीलंका-इलेवन के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन निशान मदुशंका ने बनाए। उन्होंने 73 गेंद में 63 रन की पारी खेली और रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके अलावा अंजला बंदारा ने 35 रन और निपुण धनंजय ने 46 रन की पारी खेली। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। भारत ने अपनी पहली पारी में 357 रन बनाए थे। केएल राहुल ने 40 रन और रवींद्र जडेजा ने 63 रन की पारी खेली थी। मानव सुथार ने 41 रन बनाए थे। इसके अलावा सारांश जैन ने 22 रन और गुरनूर बराड़ ने 18 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 36 रन बनाए।

इन्फ्लुएंसर्स को एक्टिंग मिलने की बहस पर बोलीं निहारिका

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में मौका दिए जाने को लेकर अक्सर बहस होती रहती है। कुछ लोग इसे टैलेंट का विस्तार मानते हैं, तो कुछ इसे संघर्ष कर रहे कलाकारों के साथ नाइंसाफी बताते हैं। लेकिन करोड़ों फॉलोअर्स वाली डिजिटल स्टार और अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं निहारिका हरूइस पूरी बहस को एक ही लाइन में खत्म कर देती हैं - 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... दुनिया अनफेयर है, अपना गेम खेलो।' चेन्नई में जन्मीं और बेंगलुरु में पली-बढ़ीं निहारिका ने अपने अलग अंदाज के कॉमिक कंटेंट से डिजिटल दुनिया में खास पहचान बनाई है। वह 'फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30' में जगह बना चुकी हैं और 'फोर्ब्स की शीर्ष डिजिटल स्टार्स' की सूची में भी शामिल रह चुकी हैं। उन्होंने राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया है।

'मुझे स्क्रिप्ट देखकर लगा, दर्शक होती तो यह फिल्म जरूर देखती'

निहारिका बताती हैं कि फिल्म का ऑफर मिलते ही उन्हें इसकी कहानी पसंद आ गई। वह कहती हैं, 'मुझे स्क्रिप्ट बहुत अच्छी लगी। डायरेक्टर बहुत अच्छे लगे और पूरी टीम यंग और फ्रेश थी। राघव भी थे, इसलिए पूरा पैकेज ही एक्साइटिंग था। मैं हमेशा दर्शक के नजरिए से सोचती हूं। अगर मैं खुद ऑडियंस होती, तो क्या यह फिल्म देखने जाती? जब इसका जवाब 'हां' था, तभी मैंने फिल्म करने का फैसला लिया।'

राघव जुयाल उड़ाते हैं मेरी इंग्लिश का मजाक

सेट पर माहौल कैसा रहता था? इस सवाल पर निहारिका हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, 'राघव मेरी इंग्लिश और मेरे एक्सेंट का बहुत मजाक उड़ाता है। वैसे जब कोई साउथ से आता है तो लोग ऐसी चीजों पर मजाक कर ही लेते हैं। लेकिन यह सब बहुत पॉजिटिव तरीके से होता है। फिर मैं भी उसे छोड़ती नहीं हूं। हम दोनों एक-दूसरे की खूब खिंचाई करते थे। इसी वजह से सेट का माहौल हमेशा हल्का और मजेदार बना रहता था।'

सोशल मीडिया स्टार्स को फिल्में क्यों मिलती हैं? मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता'

इंडस्ट्री में सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग होने की बहस पर निहारिका ने बेबाकी से अपनी राय रखी। वह कहती हैं, 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन क्या सोचता है। अगर मैं 10 साल से मेहनत कर रही हूं और मुझे अच्छी फिल्म मिल रही है तो मैं जरूर करूंगी। अगर अनफेयर की बात हो रही है, तो दुनिया ही अनफेयर है। इसे बदल नहीं सकते, इसलिए उसी हिसाब से अपना गेम खेलना चाहिए। अगर किसी को सोशल मीडिया से दिक्कत है तो वह भी सोशल मीडिया बना ले। मेरे बारे में कोई कुछ भी बोले, उसका ओपिनियन अपनी जगह सही हो सकता है। मैं लोगों की राय समझती हूं, लेकिन आखिर में करूंगी वही जो मुझे सही लगता है।'

हमारे पास बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता

डिजिटल स्टार होने की वजह से लोगों की उम्मीदें भी अलग होती हैं। इस पर निहारिका कहती हैं, 'हर कदम पर खुद को साबित करना पड़ता है। हमारे पास सबके सामने बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता। दूसरे लोगों को कई मौके मिल जाते हैं... लेकिन बाहर से आने वालों के लिए ऐसा नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा बहुत सजग रहती हूं। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं कुछ न कुछ रास्ता निकाल ही लूंगी। मैंने पांच भाषाएं सीखी हैं, इसलिए कहीं न कहीं काम जरूर मिल जाएगा।'

साउथ और हिंदी इंडस्ट्री में बड़ा फर्क नहीं

साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर निहारिका का नजरिया काफी सहज है। वह कहती हैं, 'सच बताऊं तो मुझे कोई बहुत बड़ा फर्क महसूस नहीं हुआ। बस भाषा अलग है और थोड़ा-सा कल्चर बदल जाता है।

अच्छी कहानियां और अच्छा काम अब भाषा और बॉर्डर नहीं देखते। मुझे जहां भी अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, वहां का अनुभव शानदार रहा। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं आज भी अपने काम को उतना ही एंजॉय करती हूं।'

मुकदमे ने बर्बाद कर दिए बेहतरीन साल

एक्ट्रेस जिया ने 2013 में सुसाइड कर लिया था। इसकी वजह से कई साल तक सूरज पंचोली पर मुकदमा भी चला। अब सूरज ने इस मामले में अपना पक्ष फैंस के सामने रखा और उनसे अपील भी की है। अभिनेता सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सभी मीडिया संस्थानों से निवेदन है। कृपया स्पष्ट करें कि आपके किन सवालों के जवाब नहीं मिले और कृपया अपने तथ्यों की जांच सही तरह करें। मैंने 14 साल तक चले मुकदमे का सामना किया। मामला तथ्यों, सबूतों और कानून के आधार पर तय किया गया था। मुझे बरी कर दिया गया था, और कानूनी कार्यवाही से संबंधित कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका जवाब न मिला हो। अदालत के सभी रिकॉर्ड और मुकदमे की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में कोई राय बनाने से पहले फैक्ट को समझना चाहता है, वह उन्हें देख सके।' अपनी पोस्ट में सूरज ने आगे लिखा, 'जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।' इसके बाद उन्होंने बताया, 'जिया के सम्मान के कारण, मैंने कभी भी सार्वजनिक रूप से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की जो उन्होंने मुझसे साझा कीं। मैंने अपने साथ हुए हर कष्ट के बावजूद उनकी निजता को सुरक्षित करना चुना। मैं बदले में केवल यही निष्पक्षता और सम्मान चाहता हूं।' अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, 'मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था। इसके बजाय, मैं एक ऐसे मुकदमे के बोझ तले जी रहा था जिसने मेरे बीसवें और तीसवें दशक के एक बड़े हिस्से को बर्बाद कर दिया। सिर्फ मैं ही जानता हूँ कि हर दिन मेरे मन और दिल में क्या बोझ रहता था। कानून की अदालत ही एकमात्र ऐसी जगह थी जहाँ मैं अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था।

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, 'मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा, 'शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।' अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था।' एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।' बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

'आवारापन-2' के जरिए इमरान हाशमी की दमदार वापसी

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन-2' के मेकर्स ने गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर के जरिए अभिनेता इमरान हाशमी ने शिवम के किरदार से वापसी की है। 1 मिनट 25 सेकंड का ट्रेलर उन सभी दर्शकों के सवालों का जवाब देता है जो 2 दशकों से 'आवारापन' को पसंद करते आए था। इस बार शिवम के अंदर पहले से ज्यादा दर्द, गुस्सा और एक ऐसा मकसद है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। ट्रेलर में शिवम के बदले और माफी की दुनिया देखने को मिलती है। इसमें शिवम के चेहरे पर भारी जख्म देखने को मिल रहे हैं। इमरान का ये परफॉर्मेंस याद दिलाता है कि ये किरदार 20 साल से लोगों के दिलों में क्यों बसा हुआ है। फिल्म में शबाना आजमी, दिशा पाटनी, पुराण गब्बी, अनिरुद्ध रावल, सुरेंद्र विक्की, विजयंत कोहली और अतुल कुमार भी अहम रोल में हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी जारा के किरदार में फिल्म में नजर आई हैं, जो कहानी में एक नई कड़ी या इमोशनल डायमेंशन लेकर आती हैं। शबाना आजमी नफीसा के रोल में हैं। दमदार एक्शन से भरपूर फिल्म में म्यूजिक भी कमाल का है, जिसने 'आवारापन 2' की कहानी को गहराई से छुआ है।

दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है 'स्ले टू द रिदम'

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।

नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए बातचीत में कहा, 'यह एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।' उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।' म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है। नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

किआरा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा कुरैशी

दरअसल, 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। कुछ लोग कियारा के शादीशुदा होने और मां बनने के बाद ऐसे सीन्स करने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, यश भी शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेंगी। उनका इशारा इस बात की तरफ था कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

'टॉक्सिक' के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

कियारा की हो रही ट्रॉलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोल्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।

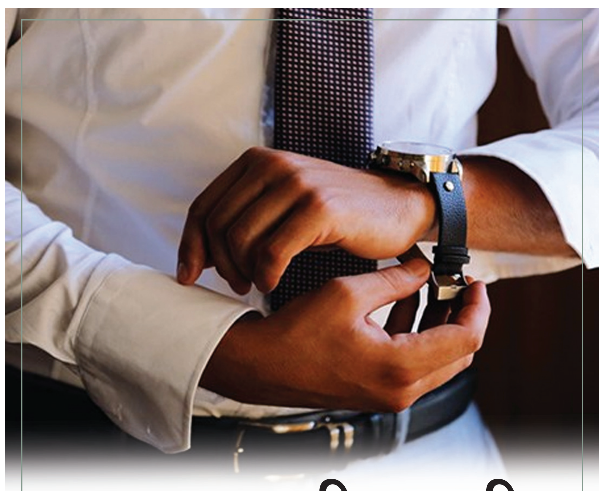

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा